सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 01, अंक 312, नई दिल्ली । रविवार, 21 जनवरी 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

मूर्ख व्यक्ति दूर-दूर तक खुशी तलाश था, ज्ञानी बिना कुछ कर ही उसे पा लेता है।

03 केजरीवाल ने 101 निजी स्कूलों की भूमि आवंटन रद्द करने की सिफारिश
06 रोम-रोम में अंतर्मुखी राम को पहचानें लोग
08 अयोध्या से आए पूजित अक्षत का आईमाताजी मन्दिर कोथरूड में किया भव्य स्वागत

22 जनवरी की रात आठ बजे से 23 जनवरी की दोपहर तक दिल्ली नहीं आ सकेंगे बड़े वाहन

फुल ड्रेस रिहर्सल के चलते गाजियाबाद की सीमा में रोके जाएंगे मालवाहक वाहन
इसके लिए विभिन्न जगहों पर यातायात पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा

संजय बाटला

दिल्ली में गणतंत्र दिवस के पहले 23 जनवरी को फुल ड्रेस रिहर्सल होगी। इसको लेकर यातायात पुलिस गाजियाबाद ने डायवर्जन प्लान लागू किया है। गाजियाबाद की सीमा से भारी हल्के मालवाहक वाहन 22 जनवरी की रात आठ बजे से 23 जनवरी की दोपहर कार्यक्रम समाप्त होने तक दिल्ली में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस को जगह-जगह तैनात किया जाएगा।

गाजियाबाद। दिल्ली में गणतंत्र दिवस के पहले 23 जनवरी को फुल ड्रेस रिहर्सल होगी। इसको लेकर यातायात पुलिस गाजियाबाद ने डायवर्जन प्लान लागू किया है। गाजियाबाद की सीमा से भारी, हल्के मालवाहक वाहन 22 जनवरी की रात आठ बजे से 23 जनवरी की दोपहर कार्यक्रम समाप्त होने तक दिल्ली में प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

इसके लिए यूपी गेट, दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे, महाराजपुर बार्डर, सीमापुरी बार्डर, तुलसी निकेतन बार्डर, लोनी बार्डर, ईडीएम माल, सूर्यनगर बार्डर, डीएलएफ बॉर्डर, सेवाधाम चौकी तिराहा, अंकुर विहार बार्डर और सभापुर तिराहे पर यातायात पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा।

परिवहन विशेष
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र
Title Code : DELHIN28985
PARIVAHAN VISHESH NEWS

1. Web Portal https://www.newsparivahan.com/
2. facebook https://www.facebook.com/newsparivahan00
3. Twitter https://twitter.com/newsparivahan
4. Linkedin https://www.linkedin.com/in/news-parivahan-169680298/
5. Instagram https://www.instagram.com/news_parivahan/
6. Youtube https://www.youtube.com/@NewsParivahan

पर आप सभी के लिए 24 घण्टे उपलब्ध

3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, A-4 पश्चिम विहार, नई दिल्ली : 110063
सम्पर्क : 9212122095, 9811732095

www.newsparivahan.com, www.newstransport.in
Info@newsparivahan. com, news@newsparivahan.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

साहिबाबाद से दुहाई तक दो दिन नहीं चलेगी नमो भारत ट्रेन, इस कारण से लिया गया फैसला

परिवहन विशेष न्यूज

साहिबाबाद से दुहाई तक 20 और 21 जनवरी दो दिन नमो भारत ट्रेन का संचालन नहीं होगा। उपरोक्त कार्य पूरा होने के बाद 22 जनवरी से साहिबाबाद से दुहाई तक नमो भारत ट्रेन का संचालन पहले की तरह की होगा। देश की पहली नमो भारत ट्रेन का परिचालन पिछले साल 20 अक्टूबर से साहिबाबाद से दुहाई डिपो के बीच 17 किमी. लंबे रूट पर शुरू हुआ था।

गाजियाबाद। दुहाई से मेरठ दक्षिण तक 25 किलोमीटर में नमो भारत ट्रेन के दूसरे चरण का ट्रायल रन चल रहा है। दो दिन उक्त रूट पर सिग्नल को अपग्रेड करने व परीक्षण का काम होगा। इसके चलते साहिबाबाद से दुहाई तक 20 और 21 जनवरी दो दिन नमो भारत ट्रेन का संचालन नहीं होगा। उपरोक्त कार्य पूरा होने के बाद 22 जनवरी से साहिबाबाद से दुहाई तक नमो भारत ट्रेन का संचालन पहले की तरह की होगा।

अक्टूबर से साहिबाबाद से दुहाई डिपो के बीच शुरू हुई सेवा

82 किमी लंबे दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर पर देश की पहली नमो भारत ट्रेन का परिचालन यात्रियों के लिए पिछले साल 20 अक्टूबर से साहिबाबाद से दुहाई डिपो के बीच 17 किमी. लंबे रूट पर शुरू हुआ था। इस ट्रेन में टिकट खरीदकर यात्रा करने वाली पहले यात्री प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बने थे। इसके साथ ही मेरठ तक ट्रेन चलाने की तैयारी तेज कर दी गई थी।

लंबा और मुश्किल होता सफर: कोहरे के कारण 220 फ्लाइट और 68 ट्रेनें प्रभावित, बाट जोहते-जोहते थक रहे मुसाफिर

परिवहन विशेष न्यूज

कोहरे के कारण कम दृश्यता होने से रास्ते में ट्रेनें बहुत विलंब हो रही हैं। ऐसे में ट्रेनों का संचालन निर्धारित समय से एक दिन बाद हो रहा है। इससे यात्री परेशान हो रहे हैं कि ट्रेन उसी दिन की है या पिछले दिन की है। रेलवे की ओर से ट्रेनों के संचालन का समय ठीक करने ट्रेनों का एक ट्रिप निरस्त किया जा रहा है।

कोहरे और कम दृश्यता के चलते रेल यात्रियों की परेशानी शुक्रवार को भी हुई। दिल्ली के विभिन्न स्टेशनों पर पहुंचने वाली 68 ट्रेनें कोहरे से प्रभावित हुई हैं। नई दिल्ली-दरभंगा बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस गुरुवार दोपहर एक बजे की जगह 21.30 घंटे की देरी से शुक्रवार सुबह 10.30 बजे चली। वहीं गुरुवार को शाम चार बजे चलने वाली नई दिल्ली-हैदराबाद तेलंगाना एक्सप्रेस 17 घंटे की देरी से शुक्रवार को सुबह नौ बजे रवाना हुई। बनारस वंदे भारत एक्सप्रेस (22415/22416) शुक्रवार को निरस्त कर दी गई।

हैदराबाद-नई दिल्ली तेलंगाना एक्सप्रेस-9.40 घंटे, खजुराहो-कुरुक्षेत्र गीता जयंती एक्सप्रेस-साढ़े नौ घंटे, योग नगरी ऋषिकेश-पुरी कलिंग उत्कल एक्सप्रेस-सात घंटे, पुरी-नई दिल्ली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस-पौने सात घंटे, रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन भोपाल एक्सप्रेस-छह घंटे, बरौनी-नई दिल्ली हमसफर एक्सप्रेस क्लोन-पौने छह घंटे, दरभंगा-नई दिल्ली हमसफर क्लोन एक्सप्रेस-साढ़े पांच घंटे, कामाख्या-पुरानी दिल्ली ब्रह्मपुत्र मेल-साढ़े पांच घंटे, रायगढ़-हजरत निजामुद्दीन गोंडवाना एक्सप्रेस-सवा पांच घंटे, यशवंतपुर-हजरत निजामुद्दीन संपर्क क्रांति एक्सप्रेस-पौने पांच घंटे, विशाखापट्टनम-नई दिल्ली एपी एक्सप्रेस-साढ़े चार घंटे, जयनगर-नई दिल्ली स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस-साढ़े चार घंटे, दुर्ग-हजरत निजामुद्दीन छत्तीसगढ़ संपर्क क्रांति एक्सप्रेस-पौने चार घंटे, हावड़ा-नई दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस-साढ़े तीन घंटे, बेंगलुरु सिटी-हजरत निजामुद्दीन राजधानी-साढ़े तीन घंटे की देरी से दिल्ली पहुंची। इसके अलवार कई अन्य ट्रेनें भी कोहरे के कारण प्रभावित हुई हैं।

देरी से रवाना हुई यह ट्रेनें...

नई दिल्ली-दरभंगा बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस (शुक्रवार को चलने वाली) चार घंटे, नई दिल्ली-अमृतसर शान ए पंजाब एक्सप्रेस-2.50 घंटे, नई दिल्ली-दरभंगा हमसफर क्लोन एक्सप्रेस-पौने दो घंटे की देरी से प्रस्थान की।

एक ट्रिप निरस्त कर ट्रेनों को समय से चलाने का किया जा रहा प्रयास..

कोहरे के कारण कम दृश्यता होने से रास्ते में ट्रेनें बहुत विलंब हो रही हैं। ऐसे में ट्रेनों का संचालन निर्धारित समय से एक दिन बाद हो रहा है। इससे यात्री परेशान हो रहे हैं कि ट्रेन उसी दिन की है या पिछले दिन की है। रेलवे की ओर से ट्रेनों के संचालन का समय ठीक करने ट्रेनों का एक ट्रिप निरस्त किया जा रहा है। इससे उस ट्रेन में पहले से आरक्षित टिकट बुक करने वाले यात्रियों की मुश्किलें बढ़ रही हैं। लोग आमतौर पर कई माह पहले ही ट्रेनों में टिकट बुक करना शुरू करते हैं, जिससे की आसानी से टिकट मिल सके। क्योंकि तत्काल में सभी लोगों को टिकट नहीं मिल पाता है। रेलवे की ओर से देरी से चल रही ट्रेन का एक ट्रिप निरस्त किया जा रहा है, जिससे ट्रेन का अगला संचालन समय से हो सके। लेकिन उस ट्रेन में पहले से टिकट बुक करने वाले यात्रियों की समस्याएं बढ़ रही हैं। 15 और 16 जनवरी को कालका-नई दिल्ली-कालका शताब्दी को रद्द कर दिया गया। 17 जनवरी को नई दिल्ली अमृतसर शताब्दी को रद्द कर दिया गया। 19 जनवरी को अंबाला कैंट भी निरस्त की गई है।

नहीं हैं शताब्दी जैसी ट्रेनों के रैक...

अधिकारियों का कहना है कि दिसंबर के पहले सप्ताह में विभिन्न रूटों से 100 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया। जिससे कोहरे के दौरान ट्रेनों का संचालन कम प्रभावित हो। जिन ट्रेनों को निरस्त किया गया है।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

उत्तराखंड में वाहनों की गति पर लगाम: 35 से ज्यादा स्पीड होने पर कटेगा चालान, परिवहन विभाग ने लिया फैसला

परिवहन विशेष न्यूज

काठगोदाम से नैनीताल या अल्मोड़ा जा रहे हैं तो अपनी गति पर नियंत्रण जरूर रखिएगा। परिवहन विभाग ने नैनीताल और चंपावत जिले के पर्वतीय रास्तों के लिए गति सीमा तय कर दी है।

नई दिल्ली। काठगोदाम से नैनीताल या अल्मोड़ा जा रहे हैं तो अपनी गति पर नियंत्रण जरूर रखिएगा। परिवहन विभाग ने नैनीताल और चंपावत जिले के पर्वतीय रास्तों के लिए गति सीमा तय कर दी है। दोपहिया और टैक्सी वाहनों के लिए 35 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति तय है तो मालवाहक और भारी वाहनों के लिए 30 की रफ्तार, जिसकी मॉनीटरिंग के लिए जल्द ही प्रमुख मार्गों पर स्पीड गन कैमरे लगाए जाएंगे।

परिवहन विभाग हल्द्वानी संभाग की बीते नौ जनवरी को आयोजित आरटीए बैठक में गति सीमा निर्धारण का बिंदु भी शामिल किया गया था। इसके लिए परिवहन विभाग से राष्ट्रीय राजमार्ग खंड, लोनिवि सहित अन्य विभागों ने सड़कों पर गति सीमा संबंधी जानकारी मांगी थी। जिसके आधार पर गतिसीमा का निर्धारण किया गया है। इसमें अल्मोड़ा-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग सहित नैनीताल, चंपावत, लोहाघाट, रामनगर से पर्वतीय क्षेत्रों को जाने वाली प्रमुख सड़कें भी शामिल हैं। पहाड़ी मार्ग पर दोपहिया वाहनों के लिए भी अधिकतम स्पीड 35 किमी प्रति घंटा तय की गई है। नैनीताल जिले में सात सीटर वाहनों के लिए 35 किमी तो 10 सीटर वाहनों के लिए 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तय की गई है।

परिवहन विभाग के आरटीओ प्रवर्तन नंदकिशोर ने बताया कि आरटीए की बैठक में यह मुद्दा पास होने के बाद परिवहन विभाग ने इनको बिंदुवार करना शुरू कर दिया है। नैनीताल और चंपावत के पर्वतीय मार्गों के लिए भी स्पीड तय की गई है। जिनकी मॉनीटरिंग के लिए टीमें तैनात की जाएंगी, साथ ही स्पीड गन कैमरों को भी इन मार्गों में लगाने की योजना है।

इन क्षेत्रों में दोपहिया व सात सीटर की रफ्तार 35, दस सीटर और मालवाहक की रफ्तार 30 किलोमीटर

काठगोदाम-नैनीताल, ज्योलीकोट-क्वारब, रामनगर-बुआखाल, कालाढूंगी-नैनीताल, कोटाबाग-कालाढूंगी, गर्जिया-बेतालघाट-खैरना-मुक्तेश्वर, रामनगर-भंडारपानी-बेतालघाट-भुजान-रीची बिल्लेख, रामनगर-लालढांग

चंपावत जिले में दोपहिया व कार की रफ्तार 30, बस और ट्रक की रफ्तार 25 किलोमीटर

लोहाघाट-पंचेश्वर, लोहाघाट-मरोड़ाखान, लोहाघाट-देवीधुरा, चंपावत-मंच-पाटी, घाट-पनार-दन्या, घुनाघाट-रीठासाहिब-पतलोड़, चंपावत-ललुवापानी-खेतीखान, पाटनपुल-बाराकोट।

इनसाइड

प्रेग्नेंसी में मोबाइल रेडिएशन से दूरी बनाना जरूरी वरना शिशु को हो सकता है मेंटल प्रॉब्लम

अगर गर्भवती महिला के आसपास अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन है, तो उसके पेट में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर बहुत ही बुरा असर पड़ सकता है. यही नहीं, बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ सकता है. जानें, प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल रेडिएशन से अजन्मे बच्चे के विकास में क्या समस्या आ सकती है और इससे कैसे बचा जा सकता है. हम सभी सुनते आए हैं कि अधिक मोबाइल फोन का इस्तेमाल हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाता है. खासतौर पर प्रेग्नेंट महिला और उसके पेट मे पल रहे बच्चे के लिए ये और भी खतरनाक हो सकता है. प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से पेट में पल रहे बच्चे के विकास पर बुरा असर पड़ता है और इसकी वजह से प्रीमेच्योर डिलीवरी तक हो सकती है. केवल मां ही नहीं, अगर मां के आस पास लोग वायरलेस चीजों का अधिक इस्तेमाल कर रहे है तो इसका भी भ्रूण में पल रहे बच्चे पर खराब असर पड़ सकता है. मॉमजंक्शनमें छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, येल स्कूल ऑफ मेडिसिन में किए गए शोध में पाया गया है कि अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन में अगर गर्भवती मां रहती है तो जन्म के बाद बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ता है. यही नहीं, इसकी वजह से गर्भ में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है. तो आइए जानते हैं कि प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से बच्चे को क्या नुकसान हो सकता है और हम इससे कैसे बच सकते हैं.

वायरलेस डिवाइस कैसे करता है प्रभावित

दरअसल जब हम मोबाइल, लैपटॉप या किसी भी तरह के वाइफाई या वायरलेस डिवाइस के संपर्क में आते हैं तो इससे हर वक्त इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडियो वेव्स निकलते रहते हैं. ये वेव्स हमारे शरीर के डीएनए को डैमेज करने की क्षमता रखते हैं और हमारे शरीर में बन रहे जीवित सेल्स के मोलक्यूल्स को बदल सकते हैं. जिसका असर लॉग टर्म काफी खतरनाक हो सकता है. चूंकि भ्रूण हर वक्त ग्रोथ कर रहा है ऐसे में उसके डीएनए और लीविंग सेल्स आसानी से इसकी चपेट में आ सकते हैं. जिसका दूरगामी असर भी काफी खतरनाक हो सकता है.

क्या कहता है शोध

अलग अलग शोधों में पाया गया कि मोबाइल के इस्तेमाल से बच्चे पर कोई खास असर नहीं पड़ता लेकिन अगर मां और बच्चा 24 घंटे मोबाइल रेडिएशन के बीच हैं तो बच्चे की मेमोरी, ब्रेन ग्रोथ और बिहेवियर में खतरनाक रूप से समस्या आ सकती है. शोधों में यह भी पाया किया गया कि प्री और पोस्ट डिलीवरी के बाद ऐसे बच्चों में हाइपरटेंशन की समस्या हो जाती है जो समय के साथ बढ़ती जाती है. यही नहीं, बच्चे की भाषा, संचार पर भी इसका बुरा असर पड़ता है.

इस तरह करें बचाव

- घर में जहां तक हो सके वाई फाई या ब्लूटूथ उपकरणों का इस्तेमाल कम करें.
- बेहतर होगा अगर आप मोबाइल की बजाय लैंड लाइन फोन का इस्तेमाल करें.
- रेडियो, माइक्रोवेव, एक्सरे मशीन आदि से दूरी बनाएं.
- मोबाइल टावर आदि के आस पास घर ना लें.

गर्भावस्था में मोबाइल के नुकसान

-गर्भवती महिलाओं में रेडिएशन से मस्तिष्क की गतिविधि पर भी प्रभाव पड़ सकता है जिससे थकान, चिंता और नींद में रुकावट पैदा होती है.
-गर्भावस्था के दौरान रेडियो वेव्स के लगातार संपर्क से आगे जाकर कैंसर का खतरा बन सकता है.
-मां गर्भावस्था के दौरान फोन का अधिक इस्तेमाल करे या काफी करीबी लोग घर पर इसका इस्तेमाल करें तो बच्चे के व्यवहार में 50 प्रतिशत बदलाव देखने को मिलता है.

आप भी पुरानी बातों को लेकर रहती हैं बेचैन? इन 4 तरीकों से जिंदगी बनाएं खुशहाल, मिलेगी हर मंजिल

अगर आप चाहती हैं कि आपकी जिंदगी बेहतर बने, तो अपने पुराने निर्णयों को स्वीकारना शुरू करें और उन्हें जीवन में बड़ी सीख की तरह देखें. ऐसा करने से आप उन्हें जीवनभर बोझ बनाकर ढोने से बच जाएंगी और आगे बेहतर तरीके से जी सकेंगी.

अगर आपको इस बात का पछतावा रहता है कि आपके कुछ गलत निर्णयों की वजह से आपकी जिंदगी आज बुरे हालातों से गुजर रही है तो ऐसा सोचने वाली अकेली आप नहीं हैं. खासतौर पर अगर आपने अपने किसी निर्णय की वजह से कुछ बहुत ही खास चीज को खो दिया है या जीवन में बहुत बड़ा बदलाव आया है तो ये पछतावा आपको जीवनभर के लिए अवसाद में जीने को मजबूर कर सकता है. यहां हम आपको बता रहे हैं कि आप पुराने पछतावों से किस तरह खुद को उबार सकती हैं और पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने जीवन में आगे बढ़ सकती हैं.

पुराने पछतावों से खुद को ऐसे उबारें

लिस्ट बनाएं

जीक्यूइंडियाके मुताबिक, पछतावों से खुद को उबारने के लिए उन चीजों की लिस्ट बनाएं जो आपने अपनी गलतियों से सीखी है. दरअसल गलत निर्णय जीवन में सीख की तरह होते हैं. अगर आप इन्हें सकारात्मक तरीके से स्वीकारें तो ये आपको जीवन में आगे होने वाली गलतियों से आपको बचा सकते हैं. इस तरह आप खुद की गलतियों को यादा करें और उनसे सीख लें. इस तरह आप बेहतर डिसीजन मेकर बन पाएंगी.

खुद को करें माफ

गलतियों की वजह से अपनी जिंदगी को बर्बाद करने और खुद का सजा देने की बजाय बेहतर होगा कि आप खुद को माफ करें. ऐसा करने से आप चीजों को भूलकर आगे खुशहाल रहेंगी और आगे जजमेंटल होकर निर्णय नहीं लेंगी.

अपने पछतावों को लिखें

आप अपने अंदर पल रही निगेटिव फीलिंग्स को दूर करने के लिए अपने पछतावों को एक जगह लिखें और विचार करें कि क्या ऐसा ना होने पर आपकी जिंदगी सच में बदली होती ! यकीन मानिए, आपके सवालों का जवाब आपको जैसे ही मिल जाएगा आप पछताबों से छुटकारा पा जाएंगी.

इस विषय पर करें बात

अगर आपको यह लग रहा है कि आप अपने पछताबों के तले दबा हुआ और घुटन सा महसूस कर रही हैं तो बेहतर होगा कि आप किसी अपने विश्वसनीय से इस विषय पर बात करें. कई बार अपनी फीलिंग्स को शेयर कर लेने और खुलकर बात कर लेने से भी बेहतर महसूस होता है.

दीपिका की कृति राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के लिए चयनित

दिल्ली की आईफेक्स की कला दीर्घा में लगेगी राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाडा। स्थानीय आकृति कला संस्थान भीलवाड़ा की युवा चित्रकार एवं संगम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में कार्यरत युवा चित्रकार दीपिका पाराशर की कलाकृति ''अनटाईटल्ड 2'' को ऑल इण्डिया फाई आर्ट एण्ड क्राफ्ट्स सोसायटी नई दिल्ली द्वारा आयोजित बारवीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में भीलवाड़ा की दीपिका पाराशर की कलाकृति का चयन हुआ है। जानकारी देते हुए संस्था सचिव कैलाश पालिया ने बताया कि इस कला प्रदर्शनी मे पूरे भारतवर्ष से आई प्रविष्ठियो में से 84 कलाकारों की कृतियों का चयन किया गया। जिसमें दीपिका पाराशर की भी कलाकृति शामिल है। इस कला प्रदर्शनी का उद्घाटन आज 20 जनवरी 2024 को सांय 5 बजे नेशनल गैलेरी ऑफ मोर्डन आर्ट के डायरेक्टर डॉ. संजीव गौतम पद्म विभूषण राम सुतार, बीमन बी दास द्वारा किया जायेगा। यह कला प्रदर्शनी 20 से 31 जनवरी 2024 तक आई फैक्स की कला दीर्घा में लगेगी। ज्ञात है कि इससे पहले भी दीपिका पाराशर की कई राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय कला प्रदर्शनी में कलाकृतियां चयनित एवं पुरस्कृत भी हो चुकी है।

22 जनवरी, अयोध्या महोत्सव...

अयोध्या महोत्सव यानी ₹भगवान श्री रामलला₹ की प्राण प्रतिष्ठा का भव्य समारोह 22, जनवरी को होने जा रहा है। प्राण प्रतिष्ठा के लिए धर्म शास्त्रों में यजमान के लिए कुछ यम-नियमों का पालन करना बताया है। ये सभी यम- नियम यजमान को शारीरिक, मानसिक और आत्मिक तौर पर केंद्रित होने के लिए बल प्रदान करते हैं।

शास्त्रों में अष्टांग योग के 8 अंगों में सबसे पहले यम और फिर है नियम। आइए जानते हैं प्राण प्रतिष्ठा में यजमान को कौन-कौन से यम- नियम का पालन करना होता है-:

यम के पांच प्रकार हैं-:

अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह। यानी मन, वचन और कर्म से अहिंसा और सत्य का पालन, अस्तेय यानी चोरी की भावना का त्याग करते हुए ब्रह्मचर्य का पालन करना।

नियम के पांच प्रकार-:

इनमें सबसे पहले शुचिता यानी स्वच्छता, संतोष की भावना, तप और जप यानी प्रणव मंत्र का जाप, धर्म शास्त्रों का स्वाध्याय और ईश्वर का प्राणिधान यानी पूर्ण आस्था होनी आवश्यक है। आत्म संयम के इन चरणों यानी पड़ावों को पार कर व्यक्ति दीक्षित होने या यजमान बनकर यज्ञ या अनुष्ठान करने का शास्त्रीय तौर पर अधिकारी हो जाता है।

इन यम- नियमों के तहत यजमान कुछ दिनों तक अन्न का त्याग करता है और केवल फल पर ही आश्रित रहता है/ यजमान जमीन पर सोता है/ प्रतिदिन एक निश्चित संख्या में

मंत्र जाप करता है/ यज्ञ- हवन करता है/प्रतिदिन यजमान गाय व ब्राह्मण की सेवा करता है और दान-पुण्य करता है, कहने का मतलब यह है कि अनुष्ठान पूर्ण होने तक यजमान एक सन्यासी की तरह जीवन निर्वाह करता है।

शायद आप सभी जानते होंगे 22 जनवरी को होने वाले ₹श्री राम प्राण प्रतिष्ठा₹ के लिए इन सभी यम-नियम का पालन सनातन धर्म व संस्कृति के रक्षक भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी मुख्य यजमान रूप में कर रहे हैं।

आइए भगवान "श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा₹ के इस महोत्सव के पावन अवसर पर आप और हम भी कुछ शुभ संकल्पों की छोटी सी आहुतियां दें और 22 जनवरी से एक दिन पहले 21 जनवरी रविवार को पड़ने वाली एकादशी के दिन व्रत व उपवास रखें/कुछ संभव हो सके जहां तक यम-नियमों का पालन करें और एकादशी व्रत- उपवास व यम-नियम से अर्जित पुण्य को जन- कल्याण व देश कल्याण के लिए समर्पित करें।।

जय सियाराम

जीवन की प्रत्येक समस्या के निवारण का रहस्य "राम" नाम में निहित है। "राम नाम" संसार की महा औषधि है।
"राम" नाम ब्रह्म सुख की अनुभूति करने वाला है। ₹राम₹ नाम ब्रह्मा विष्णु शिव स्वरुप है। वह वेदों का प्राण है, निर्गुण उपमा रहित है और गुणों के भंडार है।
भगवान श्री राम भारतीय संस्कृति की चेतना के प्राण तत्व है। ₹राम₹ का आधार ही मानवता का उद्धार कर सकता है।
"राम" भारत की कालजी सनातन संस्कृति का मेरुदंड है। राम के अवलंबन का अर्थ मर्यादाशील चरित्र और संयम का अनुगमन है। ₹राम₹ स्मृति सर्वथा कल्याणकारी है।
भारत की प्रभात के प्रथम स्वर है ₹राम₹। जब दो व्यक्ति आपस में मिलते हैं तो राम-राम से ही अभिवादन होता है।
भारत का जनमानस समझता है कि यही वह नाम है जो भय- शोक- जड़ता का निवारण कर सकता है।
आप सभी को सुबह की "राम-राम"

एकादशी व्रत-उपवास :- 21 जनवरी 2024 रविवार

पौष माह की शुक्ल पक्ष एकादशी तिथि का व्रत 21 जनवरी, रविवार को रखा जाएगा।

वैसे तो सभी व्रत-उपवास का अपना एक महत्व है। लेकिन एकादशी व्रत का शास्त्रों में विशेष महत्व बताया है।

सनातन शास्त्रों में एकादशी व्रत को इहलोक और परलोक दोनों की ही कामनाएं पूर्ण करने का एक विशेष माध्यम बताया है। यह व्रत जहां सांसारिक उलझन व समस्याओं से निजात दिलाता है वही यह मोक्ष प्रदाता भी है। इसलिए शास्त्रों में एकादशी व्रत को महा पुण्य दायक माना गया है।

एकादशी व्रत के तीन दिनों तक यम- नियमों के पालन किए जाते हैं (दशमी तिथि, एकादशी तिथि और द्वादशी तिथि)।

दशमी तिथि से ही व्रत का अनुपालन किया जाता है इस दिन सात्विक आहार व पवित्र आचरण करते हुए एकादशी तिथि व्रत की तैयारी की जाती है।

एकादशी तिथि को संपूर्ण ₹अन्न₹ का त्याग करते हुए पवित्र आचरण के साथ यह दिन दान-पुण्य, शास्त्रों का अध्ययन- मनन-कथा श्रवण और हरि स्मरण- जप इत्यादि में बिताया जाता है।

एकादशी तिथि के दिन चावल और किसी भी तरह का अन्न (अनाज) का सेवन बिलकुल निषेध है। अति आवश्यक होने पर फल-दूध इत्यादि का सेवन किया जा सकता है।

द्वादशी तिथि के दिन व्रत का पारण किया जाता है इस दिन भगवान श्री हरि को सात्विक भोजन, चावल इत्यादि का भोग लगाया जाता है और उसके उपरांत स्वयं अन्न भोजन प्रसाद ग्रहण करके व्रत खोला जाता है।

वैसे तो मुख्य रूप से एकादशी का व्रत मन को नियंत्रण में रखने का एक श्रेष्ठ साधन है। क्योंकि मन से ही संकल्प पैदा होते हैं और संकल्प से ही सिद्धियां (उपलब्धियां) प्राप्त होती है। एक नियंत्रित मन संयमित व संतुलित जीवन के लिए अतिआवश्यक है। क्योंकि संयमित व संतुलित जीवन से ही मनुष्य जीवन को संसिद्धि प्राप्त होती है।।

विशेष संयोग-: इस बार 22 जनवरी, सोमवार को अयोध्या धाम में भगवान ₹श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा₹ महोत्सव होने जा रहा है और एक दिन पूर्व एकादशी व्रत पड़ रहा है अतः इस परम मांगलिक अवसर पर एकादशी व्रत- उपवास पूरे यम-नियमों के साथ रखिए और भगवान ₹श्री राम लला₹ का अयोध्या धाम के साथ-साथ अपने निज हृदय धाम में भी स्वागत कीजिए/ प्रवेश दीजिए।

केजरीवाल ने डीडीए से 101 निजी स्कूलों की भूमि आवंटन रद्द करने की सिफारिश,(EWS का मामला)

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी। दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने EWS केटेगरी के 25 % दाखिले के नियमों को दरकिनार करने वाले निजी स्कूलों की जमीन आवंटन को रद्द करने की सिफारिश दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) से की है ।डीडीए द्वारा एक्शन लेते हुए अभी तक सिर्फ 8 स्कूलों की जमीन लीज खत्म कर दी गई है । बाकी के निजी स्कूलों का निरीक्षण किया जा रहा है । जल्द ही इन पर भी कार्रवाई संभव है । इस बावत दिल्ली सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट में हलफनामा दाखिल कर संस्थानों पर कारवाई करने की जानकारी दी है।

हलफनामो के मुताबिक दिल्ली सरकार द्वारा इनमें से 62 स्कूलों की भूमि आवंटन को रद्द करने की सिफारिश 13 दिसंबर, 2023 को डीडीए से की गई थी ।वहीं 39 स्कूलों की बावत इसी वर्ष 12जनवरी को डीडीए को पत्र लिखा था। उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ वकील खगेंद्र झा और वकील शिखा शर्मा बग्गा ने साल 2013 में 350 निजी स्कूलों के खिलाफ जनहित याचिका दायर की थी ।इसमें दलील दी गई थी कि ये स्कूल EWS कोटे के तहत 25 % प्रतिशत छात्रों को दाखिला नहीं दे रहे हैं ।जबकि उन्होंने इसी शर्त पर मंहगी जमीन कौडियों के दामों में ली है ।लिहाजा इनके भूमि आवंटन को रद्द कर दिया जाए। बता दें कि दिल्ली के सभी 13 जिलों में शिक्षा निदेशकों ने इन स्कूलों का निरीक्षण किया । इसके लिए 176 स्कूल चिन्हित किए गए थे । पहले चरण में 62 निजी स्कूलों का निरीक्षण किया गया ।इन 62 स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा करने के बाद 29, 2023 को 114 संस्थानों की निरीक्षण सूची जारी की गई । इसमें से 91 की रिपोर्ट दाखिल कर दी गई। दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय की तरफ से कहा गया कि उन्होंने जिन स्कूलों की जमीन आवंटन रद्द करने की सिफारिश की है, उन सभी स्कूलों का संचालन दिल्ली सरकार करेगी ।इस बावत बेंच को सूचित कर दिया गया है। केजरीवाल सरकार ने यह भी बताया कि डीडीए से मिली जानकारी के मुताबिक 101 में से सिर्फ 08 स्कूलों की जमीन की लीज खत्म कर दी गई है ।13 दिसंबर, 2023 को डीडीए से 62 स्कूलों की जमीन का आवंटन रद्द करने की सिफारिश की गई थी। वहीं इसी वर्ष 12जनवरी,2024 को दूसरी सूची में 39 और स्कूलों को शामिल किया गया था। जिनकी जमीनों का आवंटन निरस्त होना था।

जानकारी के लिए बता दें कि हाईकोर्ट ने 24 नवंबर,2014 को आदेश पारित कर सरकार को कार्रवाई के आदेश दिए थे ।लेकिन दिल्ली सरकार द्वारा ठोस कदम न उठाए जाने पर इस मामले में सरकार के खिलाफ अवमानना याचिका दाखिल की गई। इस पर केजरीवाल सरकार ने अब बताया है कि उसने 101 निजी स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की प्रकिया शुरू कर दी है। अभी 23 स्कूल ऐसे हैं जहां निरीक्षण होना बाकी है ।इसके लिए 16 जनवरी को शिक्षा निदेशकों को पत्र जारी किया गया है ।इनमें से 6 स्कूलों को अभी तलाशा नहीं जा सका है।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले इस खास कार्यक्रम में पहुंचेंगे दिल्ली सीएम केजरीवाल, अयोध्या से नहीं मिला औपचारिक न्योता

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अयोध्या में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण नहीं मिला है। वहीं उन्होंने दिल्ली में आयोजित रामलीला भी देखने जाएंगे। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया– मैं कल रविवार को रामलीला देखने जाऊंगा। आप भी समय निकालकर सपरिवार जरूर जाएं। इससे पहले उन्होंने 22 जनवरी को आधे दिन की छुट्टी की घोषणा की।

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अयोध्या में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण नहीं मिला है। इस बीच उन्होंने 22 जनवरी को दिल्ली के सरकारी दफ्तरों में आधे दिन की छुट्टी की घोषणा की। वहीं वह दिल्ली में आयोजित रामलीला भी देखने जाएंगे। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया- मैं कल रविवार को रामलीला देखने जाऊंगा। आप भी समय निकालकर सपरिवार जरूर जाएं।

मंत्री आतिशी ने कही ये बातें

आतिशी ने एक्स पर पोस्ट किया- सरकार द्वारा दिल्ली में 3 दिवसीय भव्य श्री रामलीला का मंचन करवाया जा रहा है। आज सौरभ भारद्वाज जी के साथ इसका शुभारंभ किया। प्रभु श्रीराम के जीवन का ये बेमिसाल मंचन हम सभी के लिए धर्म और मर्यादा की राह पर चलने की सीख है। श्रीराम के आदर्शों का पालन करते हुए, केजरीवाल जी के नेतृत्व में हम जनता की सेवा कर रामराज्य का सपना साकार कर रहे है।

सौरभ भारद्वाज ने भी की घोषणा

सौरभ भारद्वाज ने भी कहा- सरकार द्वारा तीन दिन तक बहुत सुंदर राम लीला का आयोजन किया गया है। 6 दशकों से ज्यादा से श्री राम भारतीय कला केंद्र इस रामलीला का प्राइवेट आयोजन टिकट पर करा रही है। इस बार दिल्ली सरकार द्वारा प्रायोजित ये आयोजन है, जिससे निःशुल्क सभी लोग इसका आनंद उठा सकें। बता दें, रामायण का नाट्य मंचन श्री राम भारतीय कला केंद्र द्वारा किया जा रहा है। यह तीन दिनों 20, 21, 22 जनवरी तक शाम 4 बजे से 7 बजे तक चलेगा।

ट्रेन के शौचालय में गंदगी का मामला पहुंचा कोर्ट, उत्तर रेलवे को लगी फटकार; 40 हजार का लगा जुर्माना

ट्रेन शौचालय में गंदगी और पानी की सुविधा से जुडे मामले में तीस हजारी कोर्ट स्थित उपभोक्ता अदालत ने उत्तर रेलवे को फटकार लगाई। अदालत ने रेलवे को यात्री को मुआवजे के तौर पर 30 हजार रुपये का एकमुश्त भुगतान करने और मुकदमेबाजी खर्च के लिए 10 हजार रुपये देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शौचालय और पानी बुनियादी सुविधाएं यात्रियों को देने से इनकार नहीं कर सकते।

नई दिल्ली। ट्रेन शौचालय में गंदगी और पानी की सुविधा से जुडे मामले में तीस हजारी कोर्ट स्थित उपभोक्ता अदालत ने उत्तर रेलवे को फटकार लगाई है। अदालत ने रेलवे को यात्री को मुआवजे के तौर पर 30 हजार रुपये का एकमुश्त भुगतान करने और मुकदमेबाजी खर्च के लिए 10 हजार रुपये देने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि उत्तर रेलवे की ओर से अपने बचाव में रखी गई दलील कि शौचालय सुविधा रेलवे द्वारा यात्रियों को मुफ्त में दी जाने वाली सुविधा है, में कोई आधार नहीं है क्योंकि शौचालय और पानी बुनियादी सुविधाएं हैं जिन्हें यात्रियों को देने से इनकार नहीं किया जा सकता है।

शिकायतकर्ता ने नई दिल्ली इंदौर स्पेशल ट्रेन के थर्ड एसी कोच में दो सितंबर 2021 को दिल्ली से चढ़े। तीन सितंबर को सुबह आठ बजे जब शिकायतकर्ता गया, तो उसने देखा कि शौचालय गंदगी से भरा हुआ था और फ्लश करने या हाथ धोने के लिए शौचालय में पानी भी नहीं था। इसके अलावा वाशबेसिन भी गंदे पानी से भरे हुए थे।

कोई कोच अटेंडेंट मौजूद नहीं था

मौके पर शिकायत के लिए जब शिकायतकर्ता ने कोच अटेंडेंट की तलाश की तो कोई अटेंडेंट मौजूद नहीं था, इसलिए उसने भारतीय रेलवे के आधिकारिक आनलाइन शिकायत पोर्टल रेल मद पर साढ़े आठ बजे के आसपास फोटो के साथ शिकायत दर्ज की और उसी के बारे में रेल मंत्री और रेलवे सेवा के आधिकारित ट्वीटर हैंडल को टैग करते हुए ट्वीट किया। ट्रेन करीब 10 बजे इंदौर स्टेशन पर पहुंची, लेकिन दो घंटे तक शिकायतकर्ता की शिकायत पर कोई समाधान नहीं किया गया।

शौचालय जाने के लिए दो घंटे से अधिक इंतजार

शिकायतकर्ता ने अदालत को बताया कि शौचालय जाने के लिए उसे दो घंटे से अधिक समय तक इंतजार करना पड़ा, जिसके कारण उसे अत्यधिक शारीरिक दबाव, सिरदर्द का सामना करना पड़ा। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसने आरामदायक और तनाव मुक्त यात्रा के लिए थर्ड एसी रिजर्व टिकट बुक किया था, हालांकि, ओपी यात्रियों को स्वच्छ शौचालय और शौचालय और वॉश-बेसिन में पानी की आपूर्ति जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने में विफल रहा।

शिकायतकर्ता ने की थी ये मांग

हालांकि, ओपी को दिनांक 21/09/2021 का कानूनी नोटिस दिया गया था ; इसका न तो उत्तर दिया गया और न ही इसका अनुपालन किया गया। शिकायतकर्ता ने ओपी के खिलाफ सेवा में कमी का आरोप लगाते हुए ओपी को निर्देश देने की प्रार्थना की हैः (i) उत्पीड़न और मानसिक और शारीरिक पीड़ा के लिए माफी मांगें। (ii) मानसिक और शारीरिक क्षति के लिए मुआवजे के रूप में 2,00,000/- रुपये का भुगतान करें। पीड़ा (ii) मुकदमे की लागत के लिए 15,000/- रुपये का भुगतान करें (iv) न्याय के हित में उचित समझा जाने वाला कोई अन्य आदेश/राहत।

प्राण प्रतिष्ठा के दिन दिल्ली में बंद रहेंगे बूचड़खाने, मीट-मछली की दुकानें भी नहीं खुलेंगी; रेस्तरां में मिलेगा वेज खाना

अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर देशभर में जश्न का माहौल है। केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों की दो बजे तक छुट्टी भी कर दी है। साथ ही उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। वहीं देश की राजधानी दिल्ली में भी बूचड़खानों मीट की दुकानों मछली की दुकान वालों से अपनी दुकानें बंद रखने की अपील की गई है।

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर देशभर में जश्न का माहौल है। केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों की दो बजे तक छुट्टी भी कर दी है। साथ ही उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। वहीं, देश की राजधानी दिल्ली में भी बूचड़खानों, मीट की दुकानों, मछली की दुकान वालों से अपनी दुकानें बंद रखने की अपील की गई है। दिल्ली मीट मर्चेंट एसोसिएशन के महासचिव इरशाद कुरैशी ने शनिवार को मांस और मछली बेचने वाले सभी व्यापारियों से अयोध्या में राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह के सम्मान में 22 जनवरी को अपनी दुकानें बंद रखने की अपील की। अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के लिए लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए दिल्ली में सभी बूचड़खानों, मांस और मछली की दुकानों को पूरे दिन बंद रखने को कहा गया है। कुरैशी ने बताया कि उनका मकसद दोनों समुदायों के बीच एकता और सद्भाव को बढ़ावा देना और लोगों को एक साथ लाना है। हमने राम मंदिर के उद्घाटल के अवसर पर बूचड़खानों, मांस और मछली विक्रेताओं से हमारे हिंदू भाइयों और बहनों के उत्सव के प्रति सम्मान दिखाने के लिए 22 जनवरी को अपनी दुकानें बंद करने की अपील की है।

दिल्ली एम्स और आरएमएल अस्पताल में 22 जनवरी को आधे दिन की रहेगी छुट्टी, कांग्रेस नेता ने कहा- यह फरमान मौत बनकर मंडराएगा

आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह होगा। इस दौरान कई राज्यों ने अपने यहां आधे दिन की छुट्टी की घोषणा की है। वहीं दिल्ली में आधे दिन की छुट्टी रहेगी। इस बीच विभिन्न अस्पतालों ने आधे दिन की छुट्टी की घोषणा की। इस पर विपक्ष ने सवाल उठाना शुरू कर दिया। कांग्रेस नेता अलका लांबा ने इसे तुगलकी फरमान बताया है।

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर 22 जनवरी को दिल्ली स्थित एम्स और राम मनोहर लाल लोहिया अस्पताल ने आधे दिन की छुट्टी की घोषणा की है। हालांकि इस दौरान इमरजेंसी सेवाएं चालू रहेंगी। दोनों अस्पताल ने नोटिस जारी कर कहा कि 22 जनवरी 2024 को दोपहर 2:30 बजे तक आधे दिन की छुट्टी रहेगा। राम मनोहर लोहिया में ओपीडी पंजीकरण काउंटर दोपहर 1:30 बजे के बाद खुलेंगे।

एम्स अधिकारी ने कहा- सभी अप्वाइंटमेंट को रीशेड्यूल किया जा रहा है और क्रिटिकल क्लिनिकल सर्विस जारी रहेंगी। यदि कोई मरीज आता है तो हम उन्हें प्रबंधित करने का प्रयास करेंगे। शाम की ओपीडी चालू रहेगी।

अलका लांबा ने कहा- ये तो भगवान राम को भी स्वीकार नहीं

वहीं अस्पताल के इस फैसले को विपक्ष ने निशाने पर लिया है। अलका लांबा ने एक्स पर पोस्ट किया- जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे मरीजों के लिए यह तुगलकी फरमान मौत बन कर मंडराएगा। फैसला अमानवीय है। ऐसे फैसले तो भगवान राम को भी स्वीकार नहीं होंगे। एक डॉक्टर भी अपने सामने मौत के मुंह में जाते मरीज को 2:30 बजने तक इंतजार करने को नहीं कह सकता। फैसले को वापस लिए जाना चाहिए। यह निंदनीय है।

दिल्ली सरकार ने फरवरी 2025 तक रखा है यमुना की सफाई का लक्ष्य

दिल्ली सरकार ने फरवरी 2025 तक रखा है यमुना की सफाई का लक्ष्य, लेकिन सीवेज उपचार की क्षमता का टारगेट अभी भी अधूरा

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) द्वारा तैयार की गई एक नई रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली ने जनवरी 2023 से अपनी सीवेज उपचार क्षमता में प्रतिदिन 35 मिलियन गैलन की वृद्धि की है। हालांकि दिसंबर 2023 तक का लक्ष्य पूरा नहीं हो पाया है। इस लक्ष्यको मार्च 2024 तक बढ़ा दिया गया है। फरवरी 2025 तक यमुना की सफाई का लक्ष्य दिल्ली सरकार का है।

नई दिल्ली। दिल्ली में पैदा होने वाले सभी सीवेज के उपचार के लिए दिसंबर 2023 की सरकार की समय सीमा खत्म हो गई है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) द्वारा तैयार की गई एक नई रिपोर्ट के अनुसार, इसके बाद दिल्ली सरकार अब इस साल मार्च तक लक्ष्य हासिल करने का प्रयास कर रही है।

बता दें दिल्ली सरकार ने फरवरी 2025 तक यमुना को मानकों के अनुरूप साफ करने का वादा किया था। लेकिन हालिया स्थिति के मुताबिक यह काफी चुनौतीपूर्ण हो गया है।

प्रतिदिन 35 मिलियन गैलन की हुई वृद्धि

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा गठित यमुना कायाकल्प पर उच्च स्तरीय समिति के समक्ष 10 जनवरी को प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली ने जनवरी 2023 से अपनी सीवेज उपचार क्षमता में प्रतिदिन 35 मिलियन गैलन की वृद्धि की है। दिल्ली से प्रतिदिन 792 मिलियन गैलन (एमजीडी) सीवेज उत्पन्न होता है, जिसमें से केवल 667 एमजीडी को तकनीकी रूप से यहां स्थापित 37 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट या एसटीपी द्वारा उपचारित किया जा सकता है।

फिलहाल ये एसटीपी अपनी स्थापित क्षमता का केवल 71 प्रतिशत ही उपयोग करते कर पा रहे हैं। यहां पर 792 एमजीडी सीवेज में से केवल 565 एमजीडी का उपचार हो रहा है। बाकी बिना उपचार के ही यमुना में प्रवाहित हो जाता है।

मार्च 2025 तक बढ़ाई गई समय सीमा

दिल्ली सरकार ने राजधानी में निकलने वाले 100 प्रतिशत सीवेज को निर्धारित मानकों के अनुरूप शोधित करने का लक्ष्य पहले दिसंबर तक रखा था। बाद में दिल्ली की सीवेज उपचार क्षमता को दिसंबर 2023 तक 814 एमजीडी और जून 2024 तक 965 एमजीडी तक बढ़ाने का लक्ष्य था। दिल्ली जल बोर्ड के अनुमान के मुताबिक, राजधानी 2025 तक 925 एमजीडी सीवेज (1,156 एमजीडी जल आपूर्ति का 80 प्रतिशत) उत्पन्न करेगी। अब 965 एमजीडी की उपचार क्षमता हासिल करने की समय सीमा मार्च 2025 तक बढ़ा दी गई है।

परी चौक से शाम साढ़े छह बजे चलेगी अयोध्या धाम के लिए बसें, दो बसों की मिली सौगात

ग्रेटर नोएडा डिपो ने नोएडा वासियों को सौगात दी है। 22 जनवरी के बाद शहर से अयोध्या जाने वालों के लिए डिपो की ओर से दो बसों का संचालन किया जाएगा। 23 जनवरी से परीचौक से शाम साढ़े बजे अयोध्या के लिए बस को रवाना किया जाएगा। अयोध्या से ग्रेटर नोएडा आने वाले यात्रियों को दोपहर दो बजे डिपो की बस मिलेगी।

ग्रेटर नोएडा। भगवान राम की भक्ति में पूरा प्रदेश डूबता जा रहा है। शहर के लोगों को ग्रेटर नोएडा डिपो ने सौगात दी है। 22 जनवरी के बाद शहर से अयोध्या जाने वालों के लिए डिपो की ओर से दो बसों का संचालन किया जाएगा। 23 जनवरी से परीचौक से शाम साढ़े बजे अयोध्या के लिए बस को रवाना किया जाएगा। अयोध्या से ग्रेटर नोएडा आने वाले यात्रियों को दोपहर दो बजे डिपो की बस मिलेगी। शहर से अयोध्या के लिए अभी कोई भी बस सेवा संचालित नहीं की जाती है।

यात्रियों की आस्था को देखते हुए डिपो की ओर से यह निर्णय लिया गया है। लंबे रूट होने के कारण दो चालकों की तैनाती की जाएगी। यात्रियों को कोई परेशानी न हो इसके लिए यह व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा इन बसों में भजन और रामधुन बजाने की व्यवस्था की गई, जिससे बस का माहौल राममय हो जाए। इसी बीच अब बस अड्डे पर अयोध्या धाम जाने वाली बसों की जानकारी के लिए बस अड्डे पर हेल्प डेस्क बनाई गई है। अयोध्या जाने के लिए संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए एक कर्मचारी की भी ड्यूटी लगाई गई है।

डिपो से संचालित हो रही सीएनजी बसें

ग्रेटर नोएडा डिपो से 153 बसें सीएनजी की संचालित हो रही है। एक बार फुल टैंक कराने पर एक सीएनजी बस 500 किमी तक की ही दूरी तय कर सकती है, इसलिए बस रेंज के अनुसार एक रूट चार्ट बनाया गया है, क्योंकि रोडवेज बसों को अनधिकृत ईंधन स्टेशनों से सीएनजी भरने की अनुमति नहीं है। ग्रेटर नोएडा से अयोध्या की दूरी लगभग 650 किमी है। इतनी दूरी को कवर करने के लिए ग्रेटर नोएडा डिपो की बसों को लखनऊ में सीएनजी भरने की सुविधा की व्यवस्था होगी। दीपावली के मौके पर पहली बार अयोध्या के लिए बसें भेजी गई थी। डिपो को इस रूट पर बस संचालित करने पर काफी लाभ हुआ था।

ग्रेटर नोएडा डिपो की दो बसें अयोध्या धाम के परी चौक से होते हुए जाएंगी। २३ जनवरी से बसों का संचालन किया जाएगा। यात्रियों को कोई परेशानी न हो इसके लिए हेल्प डेस्क बनाई जा रही है।

- अनिल कुमार शर्मा, प्रभारी एआरएम, ग्रेटर नोएडा डिपो

पुलिस ने रुकवाया महिला का अंतिम संस्कार, श्मशान से पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा शव

टीला मोड़ थाना क्षेत्र के रिस्तल गांव में एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। स्वजन शव का अंतिम संस्कार करने पहुंचे। तभी मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने श्मशान घाट पर पहुंचकर अंतिम संस्कार रुकवाया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

गाजियाबाद। टीला मोड़ थाना क्षेत्र के रिस्तल गांव में एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। स्वजन शव का अंतिम संस्कार करने पहुंचे। तभी मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने श्मशान घाट पर पहुंचकर अंतिम संस्कार रुकवाया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस के मुताबिक, रिस्तल गांव में अजीत परिवार के साथ रहते हैं। 2023 में उनकी शादी सिकंदराबाद बुलंदशहर की आशा से हुई थी। उनके एक बेटी और एक बेटा हैं। बृहस्पतिवार को आशा जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां शनिवार तड़के उनकी मौत हो गई। स्वजन घर शव घर लेकर पहुंचे। दोपहर करीब एक बजे गांव के ही श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया जा रहा था। मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। टीला मोड़ थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार गिरी पुलिस बल के साथ श्मशान घाट पर पहुंचे और अंतिम संस्कार रुकवाया। पुलिस ने आलाधिकारियों को सूचना दी। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

नोएडा में रैली, बैठक और जुलूस निकालने पर लगी रोक, राम मंदिर कार्यक्रम को लेकर लिया फैसला

दिल्ली से सटे गौतमबुद्ध नगर जिले में जिला प्रशासन ने धारा 144 लागू कर दी है। यानी अब नोएडा ग्रेटर नोएडा में कही भी जुलूस पंचायत रैली बैठक करने पर रोक रहेगी। कहीं भी एक साथ कई लोगों के इकट्ठे होने पर रोक रहेगी। जिला प्रशासन ने शनिवार को यह निर्दश दिया। 21 से 26 जनवरी तक पूरे नोएडा में धारा 144 के तहत प्रतिबंध लागू किया जाएगा।

नोएडा। दिल्ली से सटे गौतमबुद्ध नगर जिले में जिला प्रशासन ने धारा 144 लागू कर दी है। यानी अब नोएडा, ग्रेटर नोएडा में कही भी जुलूस, पंचायत, रैली, बैठक करने पर रोक रहेगी। कहीं भी एक साथ कई लोगों के इकट्ठे होने पर रोक रहेगी। जिला प्रशासन ने शनिवार को यह निर्दश दिया।

जिला प्रशासन ने शनिवार को कहा कि 21 से 26 जनवरी तक पूरे नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत प्रतिबंध लागू किया जाएगा। यह आदेश 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर आया है।

अतिरिक्त डीसीपी (कानून एवं व्यवस्था) हृदेश कथेरिया ने आदेश जारी कर कहा कि प्रतिबंध लगने के बाद पांच से ज्यादा लोगों के अवैध जमावड़े, जुलूस निकालने, प्रदर्शन करने पर रोक लगी रहेगी। उन्होंने कहा कि श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण 22 जनवरी को दिवाली कार्यक्रम के साथ निर्धारित है। फिर 25 जनवरी को स्वर्गीय हजरत अली की जयंती और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह मनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इनके साथ-साथ समय-समय पर विभिन्न संगठनों और किसानों द्वारा कुछ विरोध और प्रदर्शन भी प्रस्तावित हैं। इस कारण असामाजिक तत्वों द्वारा शांति भंग करने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है और अधिकृत कार्यक्रमों को सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए उचित व्यवस्था करनी होगी।

शीतलहर में बढ़ रहे हार्ट अटैक के खतरे, सांस लेने में परेशानी होने के बाद युवक की मौत

गाजियाबाद में एक शख्स को सांस लेने में परेशानी होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। सीएमएस डॉक्टर मनोज कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि इमरजेंसी में रमेश को मृत अवस्था में लाया गया था। उनका दावा है कि युवक को हार्ट अटैक आया है। शीत लहर के चलते बुजुर्गों के साथ युवाओं को भी हार्ट अटैक हो रहे हैं।

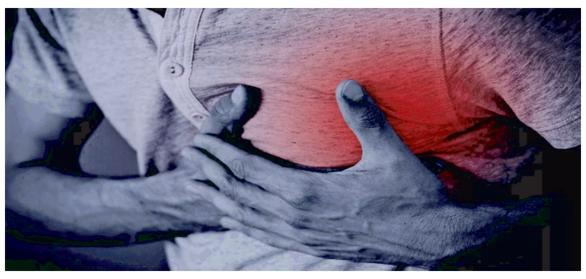

गाजियाबाद। लाजपत नगर के रहने वाले हरि सिंह के 31 वर्षीय पुत्र रमेश चौधरी को शुक्रवार सुबह को सांस लेने में परेशानी होने पर जिला एमएमजी अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सीएमएस डॉक्टर मनोज कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि इमरजेंसी में रमेश को मृत अवस्था में लाया गया था। उनका दावा है कि युवक को हार्ट अटैक आया है। शीत लहर के चलते बुजुर्गों के साथ युवाओं को भी हार्ट अटैक हो रहे हैं। सांस के मरीजों को भी हार्ट अटैक का खतरा तेजी बढ़ा है। ऐसे में सावधानी और सतर्कता बरतना बहुत जरूरी है।

टीबी की दवाई आगरा से मंगवाई

पिछले 20 दिन से टीबी के गंभीर रोगियों (एमडीआर) को दवाएं नहीं मिल रही हैं। शुक्रवार को सीएमओ डॉ. भवतोष शंखधर ने आगरा में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से बात करने के बाद विशेष वाहन भेजा है। शनिवार तक दवाएं आने की पूरी उम्मीद हैं। जिले में वर्तमान में 20 हजार से अधिक टीबी रोगियों का इलाज चल रहा है। इनमें पांच सौ से अधिक गंभीर रोगी शामिल हैं। टीबी अस्पताल में कई मरीज भर्ती भी हैं।

ओपीडी में पहुंचे बुखार के 523 मरीज

शीत लहर के चलते सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों की ओपीडी में बुखार, खांसी, जुकाम, सांस और सीने में दर्द के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी हैं। तीन बड़े सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में कुल 2,200 मरीज पहुंचे। जिला एमएमजी अस्पताल की ओपीडी में 1138 के सापेक्ष 301, संयुक्त अस्पताल में 635 के सापेक्ष 142 और जिला महिला अस्पताल की ओपीडी में 427 मरीजों के सापेक्ष 80 बुखार के मरीज पहुंचे। जिला एमएमजी अस्पताल के सीएमएस डा. मनोज कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि ओपीडी में पहुंचे 185 बीमार बच्चों में से 14 को भर्ती किया गया है। 138 मरीजों का चेस्ट एक्स-रे कराया गया और 70 मरीज भर्ती हैं।

अयोध्या- भारत के शक्ति तत्व की प्राण प्रतिष्ठा....

तरुण विजय

अयोध्या का हर कण हर कोना सज गया है। रातों रात सड़के नयी बन गयीं, दुकानें चौड़ीं हो गयीं, दस दस फीट पीछे कर दीं, आश्रम मठ नये कलेवर नयी सज्जा, नये निर्माण से अलंकृत हो गये, अयोध्या महाराज का महल अयोध्याकालीन महल लगने लगा, राम जन्मभूमि पथ स्वर्गानुकूल भव्यता ले रहा है।

अयोध्या की उन गलियों से गुजरते हुए जहां इन आँखों ने नब्बे बयानबे में हिंदू नेताओं की हिंदू पुलिस द्वारा रक्तरंजित कारसेवक संहार देखा था आज भी सिहरन होती है, आँखें विस्फारित हो कर राम शरद कोठारी के चित्र देखती हैं उनके अधरों से निकले जय सिया राम के स्वर सुनायी देते हैं। मैं यहाँ आते ही मणिरामदास छावनी केप्रमुख, राम आंदोलन के महा सेनापति पूज्य महंत नृत्य गोपाल दास जी से मिला, आशीर्वाद लिया। वे पहचान गये। रामभद्राचार्य जी, पूज्य जयदेव राम जी, सालासर बालाजी के सिद्धेश्वर महाराज, सर्व कार्य प्रमुख चंपत राय, और संपूर्ण राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र के महिमावान प्रमुख संत पूज्य गोविंद गिरि जी महाराज से तो रात्रि साढ़े दस बजे भेंट हुई। रात दिन काम और अविश्राम जीवन। राम जी की शक्ति है।

स्वामी गोविंद गिरि ने ठीक कहा- इस जन्मभूमि को लेने में हिंदुओं को पाँच सौ साल क्यों लगे ? क्योंकि हिंदू के मानस में राष्ट्र तथा धर्म का समन्वय नहीं था। शिवाजी के विरूद्ध औरंगज़ेब के लिये शिव भक्त मिर्जा राजा जय सिंह लड़े, शिवाजी के तेरह सगे संबंधी उनके विरुद्ध मुगल सेना में थे। गत सौ वर्षों में पहली बार विवेकानंद तथा डॉ हेडगेवार ने देश के साथ धर्म का चैतन्य जागृत किया तो राम मंदिर बना। अब काशी और मथुरा सहित अन्य भग्न काराबद्ध आक्रांत मंदिर वापस लिए बिना हिंदू रुकेगा नहीं।

अयोध्या का हर कण हर कोना सज गया है। रातों रात सड़के नयी बन गयीं, दुकानें चौड़ीं हो गयीं, दस दस फीट पीछे कर दीं, आश्रम मठ नये कलेवर नयी सज्जा, नये निर्माण से अलंकृत हो गये, अयोध्या महाराज का महल अयोध्याकालीन महल लगने लगा, राम जन्मभूमि पथ स्वर्गानुकूल भव्यता ले रहा है। सब कुछ स्वप्न वत। चिकोटी काटें तब विश्वास हो। हर कोने चौहारे पर आंध्र से लेकर पंजाब दुर्ग्यआणा मंदिर के मुफ़्त चाय भोजन के 24 घंटा लंगर चल रहे हैं। हजारों स्त्री पुरुष गोद में बच्चे हाथों में कपड़ों कंबल के थैले लिये चले आ रहें हैं। राम लला से मिलने आयें हैं राम लला व्यवस्था करेंगे।

जिन लोगों ने, हिंदू तथा मुस्लिम दोनों ने राम जन्मभूमि का सत्य जानते हुये भी अंधा अपशब्दयुक्त विरोध किया उनको हिंदुओं से हाथ जोड़कर क्षमा याचना करनी चाहिए। उन्होंने अपने ही रक्त अपने पूर्वजों अपने देश अपने देवताओं अपनी संस्कृति के प्रवाह से विश्वासघात किया। अब स्मृति -जागृत भारत अपने मन और काया पर आघात नहीं सहेगा। स्मृति हर मनुष्य और राष्ट्र के जीवन हेतु अनिवार्य तत्व है। स्मृति हीन देश या व्यक्ति शून्य होता है, भविष्यविहीन और दिशाहीन। अयोध्या में मंदिर नहीं भारत राष्ट्र की स्मृति के जागरण द्वारा नवीन राष्ट्रीय अभ्युदय के शक्ति स्रोत की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है।

हर काल में हिंदू का राष्ट्र और धर्म के समन्वय से युक्त जागरण कठिन, प्रायः असंभव और जटिल रहा है। ढाई हज़ार मील दूर अनुल्लेखनीय कस्बे गजनी से एक लुटेरा महमूद प्रभास पाटन आता है, सर्वाधिक महत्वपूर्ण मंदिर तोड़ता है, इतनी बड़ी संख्या में हिंदू स्त्री पुरुष दास बनाकर ले जाता है कि बग़दाद में ग़ुलामों का मूल्य गिर गया, लूट का सामान अलग ले जाता है। मार्ग में सब हिंदू खड़े हुए?

सुहेलदेव अपवाद हैं। बाक़ी ? कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी का जय सोमनाथ उपन्यास पढ़ा है? उन्होंने उच्च ब्राह्मण कुलोत्पन्न शिव राशि के चरित्र का उल्लेख किया है जो ग़ज़नवी को हिंदू संघ की परमार राजाओं के नेतृत्व में खड़ी सेनाओं से बचाकर सोमनाथ मंदिर के भीतर ले आया था. जीती बाज़ी हिंदू हार गये।

चार सौ वर्ष गोवा पर क्रूर व अमानुषिक अत्याचारों के लिए कुख्यात पुर्तगालियों ने लगातार शासन किया। पणजी में आज भी एक हाथ कातरो खंभ है जहां उन हिन्दुओं के हाथ काटे जाते थे जिनके घर पर तुलसी का पवित्र पौधा पूजित होता था।

उस भयानक काल से गुजर यदि आज हिंदू समाज धर्म और राष्ट्र से जुड़ा दिखता है तो यह आठवाँ आश्चर्य है- हिंदुओं के एक वर्ग या बड़े आचार्यों या हिंदू नामधारी सेकुलरों के हिंदू मंदिर विरोध में कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं है। ग़ज़नवी से पुर्तगालियों तक उसका देश से विमुख धर्म से विमुख एक स्वार्थी भाव रहा है जिसे पिछली शताब्दी में लाल बाल पाल, विवेकानन्द, अरविंद, दयानंद , सावरकर ने बदला और डॉ हेडगेवार ने उसे एक सैन्य अनुशासन में ढालने का असाधारण अभूतपूर्व कार्य किया. वरना मंदिर की जगह हिंदू सेकुलर शौचालय बनवा रहे होते।

यह भारत की सुप्त विजिगीशु प्रवृत्ति, काल को परास्त करने वाली जिजीविषा और सामूहिक सांगठनिक शक्ति का ऐसा ऐतिहासिक प्रकटीकरण है जो धरातल पर आदि शंकर के बाद या राजनीतिक स्तर पर राज राज चोल, कृष्णदेवराय, उससे पूर्व विक्रमादित्य, अशोक, के बाद कभी संभव हुआ नहीं। दुर्बल, आत्म विस्मृत, समझौतावादी, यही पिछले सेकुलर युग में हिंदू की पहचान थी। उस छवि के टूटने और नवीन साहसी निर्भीक हिंदू के उदय से जन्मी वेदना भारत शत्रुओं को होना स्वाभाविक ही है। ध्यान रहे राम ने पश्चाताप विहीनरावण युग का अंत किया परारावण पर का कभी अपशब्दों से तिरस्कार नहीं किया, उसका सम्मान अंतिम संस्कार किया, उसके भाई विभीषण का राज्यारोहण करवाया, लंका को अयोध्या में सम्मिलित नहीं किया।

आज यही मर्यादा पुनरुज्जीवित होती दिखती है। संपूर्ण विश्व में भारत की प्राचीन गौरवशाली धरोहर के प्रति नवीन चैतन्य उभरा है। अनगिनत पुस्तकें भारत की विद्या, महापुरुषों की जीवनियों, प्राचीन नगरों , नदियों, तीर्थों, पर्यटन स्थलों, समुदायों यहाँ तक कि अरुणाचल- मणिपुर- मेघालय में प्राचीन राम कथाओं के पुनःस्मरण-प्रकाशन का रेला दिख रहा है। राम कथा के टेली सीरियल से लेकर राम मंदिर विरोधी नये नये शंकराचार्यों की अपने अपने उद्देश्यों हेतु पादवंदना करते, जातियों के गूढ़ मर्म व अर्थ ढूँढते दिखने लगे हैं। विश्व नवीन आर्थिक व सैन्य शक्ति युक्त भारत की ओर भिन्न एवं सम्मान भाव से देख रहा है। यह अचानक जादू से नहीं हुआ।

स्मृति जागरण पर्व उन अनाम अजान अचीन्हे संस्कृति वीरों महापुरुषों गुरुओं त्यागराज, चैतन्य महाप्रभु, रामानन्दाचार्य, आदि शंकर, गुरु गोविंद सिंह तेग़ बहादुर, बंदा बहादुर के संचित तप, बलिदानों, साधना, काले पानी की जेल में अनजान रह कर मर खप गये सेनानियों की सामूहिक अभीप्साओं का फल है।

आज चन्द्रायण से लेकर मंगल तक की यात्राओं का निर्धारण आस्थावान विश्व विश्रुत भारतीय वैज्ञानिक कर रहे हैं, खेल, चिकित्सा, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, कठिनतम क्षेत्रों को राजमार्गों से जोड़ता भारत, सिंधु सरस्वती सभ्यता के विराटतम आगार के रूप में विश्व के समक्ष स्वयं को प्रस्तुत करने लगा है। विश्व के संपन्नतम आधुनिकतम स्थानों में हिंदू संस्कृति और सभ्यता के उत्कर्ष को दर्शाते मंदिर सैंकड़ों एकड़ों में बन गये हैं जहां वे लोग आकर श्रद्धावनत और विस्मित हो रहें हैं जो कल तक हमारे अध्यात्म की, धरोहर की मजाक उड़ाते थे।

इन सब गतिविधियों में 18 से 30 वर्ष का हिंदुस्तानी है। वह भाजपा समर्थक नहीं भी होगा, संघ से सहमत नहीं भी होगा पर वह एक नये हिंदुस्तान का अन्वेषण कर रहा है, नवीनता का आविष्कार कर रहा है, अपनी जड़ों की पहचान और पश्चिमी औपनिवेशिक दंभ को करारा तीखा आहत करनेवाला उत्तर दे रहा है। न्यूयॉर्क के प्रसिद्ध थिंक टैंक के निदेशक ने इस दृश्य को उद्धृत करके मुझसे कहा था- दिस इंडिया इस अनस्टॉपेबल नाउ- अब इस भारत को कोई रोक नहीं सकता।

यह भारत श्री अरविंद की उस भविष्यवाणी को सत्य सिद्ध कर रहा है कि विश्व को मार्गदर्शन देने वाले शक्तिशाली समर्थ भारत का उदय अवश्यंभावी है। विवेकानंद ने इस स्मृति जागरण अश्वमेध यज्ञ का आरंभ 11 सितंबर 1893 को शिकागो में कर दिया था। कार सेवकों ने अपने रक्त की आहुति से अयोध्या को जगा कर बलिदानी ऊष्मा से भारत ज्योति जलायी और जो भी भारतीय जहां भी था उसके मानस में जो आत्मविश्वास आया वह अवर्णनीय और शब्दातीत है।

राजनेताओं को विनम्रतापूर्वक इस पुनर्जागरण पर्व का वंदन करना होगा। अयोध्या सशुल्क धर्मशालाओं होटलों विलासिता के धनी वर्ग और अर्द्ध साक्षर उच्चाधिकारियों के पानी की तरह बहाए पैसे से आप्लावित न होने पाए. नेताओं के अहंकार हूटर, सड़क बंद करवाकर पूजा का दंभ यहाँ न दिखे. गरीब दरिद्र किसान मजदूर झोंपड़ी वाले हिंदू ने अयोध्या की आत्मा बचायी, यहाँ कभी कोई भूखा नहीं सोया, कभी ठंड में सड़क पर नहीं पड़ा। हर आश्रम शरण स्थल बना रहा है। अब अचानक धन वैभव फेंक कर उनको होटल व्यावसायीकरण की ओर धकेलने तथा ग़रीब भक्तों को अवांछनीय और धनियों को सुपात्र समझने वाली अयोध्या न बनने दें। सरकार संस्कृति कार्यों में अपनी भूमिका की नयी सीमा निर्धारित करे।

सोमनाथ से अयोध्या तक के पुनर्निर्माण का पथ भारत वर्ष के सामूहिक स्मृति जागरण का अविजेय, अमर्त्य, शत्रु हनन- सज्जन प्रतिपालक ज्योति पर्व है। अबसे भारत एक नया मन, नया कलेवर धारण करनेवाला है। अयोध्या में इस शक्ति के ऊर्जा केंद्र की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है- मंदिर मात्र की नहीं।

(लेखक पूर्व सांसद व पाँचजन्य के दो दशक संपादक रहे- यह आलेख अयोध्या से भेजा है)

बजाज पल्सर N150 और N160 को लॉन्च से पहले किया गया टीज, जानिए कब होगी लॉन्च?

भारतीय दोपहिया वाहन निर्माता ने आगामी बाइक्स का टीजर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा किया है। जिसमें इनकी झलक भी देखने को मिली है। जो टीजर शेयर किया गया है उससे संकेत मिलता है कि कंपनी इस बार बाइक को कॉस्मेटिक रूप से परिवर्तित करने वाली है। इसमें कई नए फीचर्स को भी अपग्रेड के तौर पर जोड़ा जा सकता है।

नई दिल्ली। Bajaj के द्वारा पेश की जाने वाली चर्चित मोटरसाइकिल Pulsar की लोकप्रियता अलग ही स्तर की है और इस रेंज की पहचान को मजबूत करने के लिए कंपनी हर साल इसमें कुछ न कुछ नए बदलाव करती है। हर साल इसे छोटे मोटे बदलावों के साथ पेश किया जाता है। अब हाल ही में वाहन निर्माता की तरफ से 2024 Bajaj Pulsar N150 और N160 को टीज किया गया है।

लॉन्च से पहले दिखी झलक

भारतीय दोपहिया वाहन निर्माता ने आगामी बाइक्स का टीजर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा किया है। जिसमें इनकी झलक भी देखने को मिली है। जो टीजर शेयर किया गया है उससे संकेत मिलता है कि कंपनी इस बार बाइक को कॉस्मेटिक रूप से परिवर्तित करने वाली है। इसमें कई नए फीचर्स को भी अपग्रेड के तौर पर जोड़ा जा सकता है।

मिलेगा फुली डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर

जो टीजर जारी किया गया है उसमें जो हेलमेट है उस पर कॉल और मैसेज आईकन दिखाई पड़ता है। इससे उम्मीद है कि इसमें फुली डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर प्रदान किया जाएगा।

बाइक में स्मार्टफोन कनेक्टिविटी की सुविधा मिलेगी। जिसे ब्लूटूथ से कनेक्ट किया जा सकेगा। राइडिंग एक्सपीरियंस को बेहतर करने के लिए वॉइस इनेबल और मैसेज अलर्ट दिया जाएगा। बता दें वर्तमान में जो बाइक आती हैं उनमें सेमी डिजिटल कंसोल मिलता है जो ब्लूटूथ कनेक्ट नहीं होता है।

इंजन और पावरट्रेन

इनको इंजन के पैमाने पर नहीं बदला जाएगा। दोनों ही बाइक 149.68cc और 164.82cc सिंगल सिलेंडर एयर कूल्ड इंजन को बरकरार रखा जाएगा। इसकी लॉन्च डेट के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन निकट भविष्य में इसे लॉन्च किया जा सकता है।

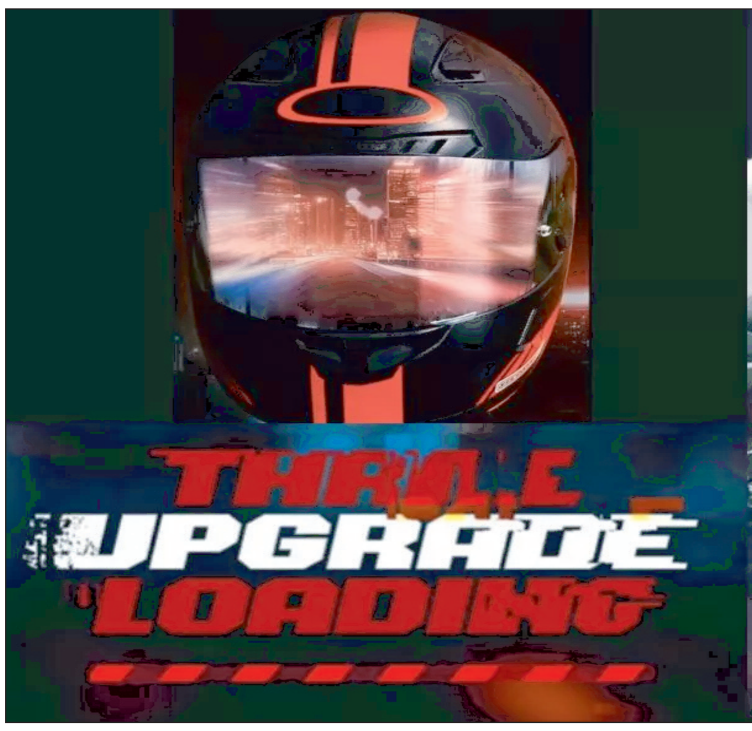

कैसे काम करता है गाड़ियों लगा ADAS सिस्टम, खतरा होने पर खुद ही कंट्रोल हो जाता है वाहन

ड्राइविंग एक्सपीरियंस को बेहतर करने के मकसद से कंपनियां आज के समय में ADAS सिस्टम को गाड़ियों में ऑफर कर रही हैं। इसे देने का मकसद ड्राइविंग को और भी अधिक प्रभावशाली बनाना है। हम यहां बताने वाले हैं कि ये आधुनिक तकनीक काम कैसे करती है और इससे क्या लाभ होता है। आइए इसके बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। पहले के समय में आने वाले वाहनों में बहुत कम फीचर्स दिए जाते थे। लेकिन वर्तमान समय में जो गाड़ियां आती हैं उनको आधुनिक फीचर्स से सुसज्जित किया जाता है और ये सेफ्टी के पैमाने पर भी काफी बेहतर हो गई हैं। आधुनिक तकनीकों में से एक ADAS सिस्टम भी है। जो आजकल गाड़ियों में दिया जा रहा है। आज के इस लेख में हम इसी के बारे में पूरी जानकारी देने वाले हैं।

इसलिए मिलता है ADAS सिस्टम

ड्राइविंग एक्सपीरियंस को बेहतर करने के मकसद से कंपनियां आज के समय में इस फीचर को गाड़ियों में ऑफर करती हैं। इसे देने का मकसद ड्राइविंग को और भी अधिक प्रभावशाली है।

क्या है ADAS सिस्टम

ADAS का एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम होता है। यह एक खास तरह की तकनीक होती है जिसमें कई आधुनिक फीचर्स का समायोजन दिया जाता है। इसमें लगे एडवांस कैमरा और सेंसर निकट भविष्य में होने वाली घटना को लेकर सचेत कर देते हैं। एडास सिस्टम दुर्घटना से पहले ही ड्राइवर को जानकारी दे देता है।

अब सवाल है कि ये तकनीक काम कैसे करती है तो बता दें एडास में अनेकों चिप्स का यूज किया जाता है

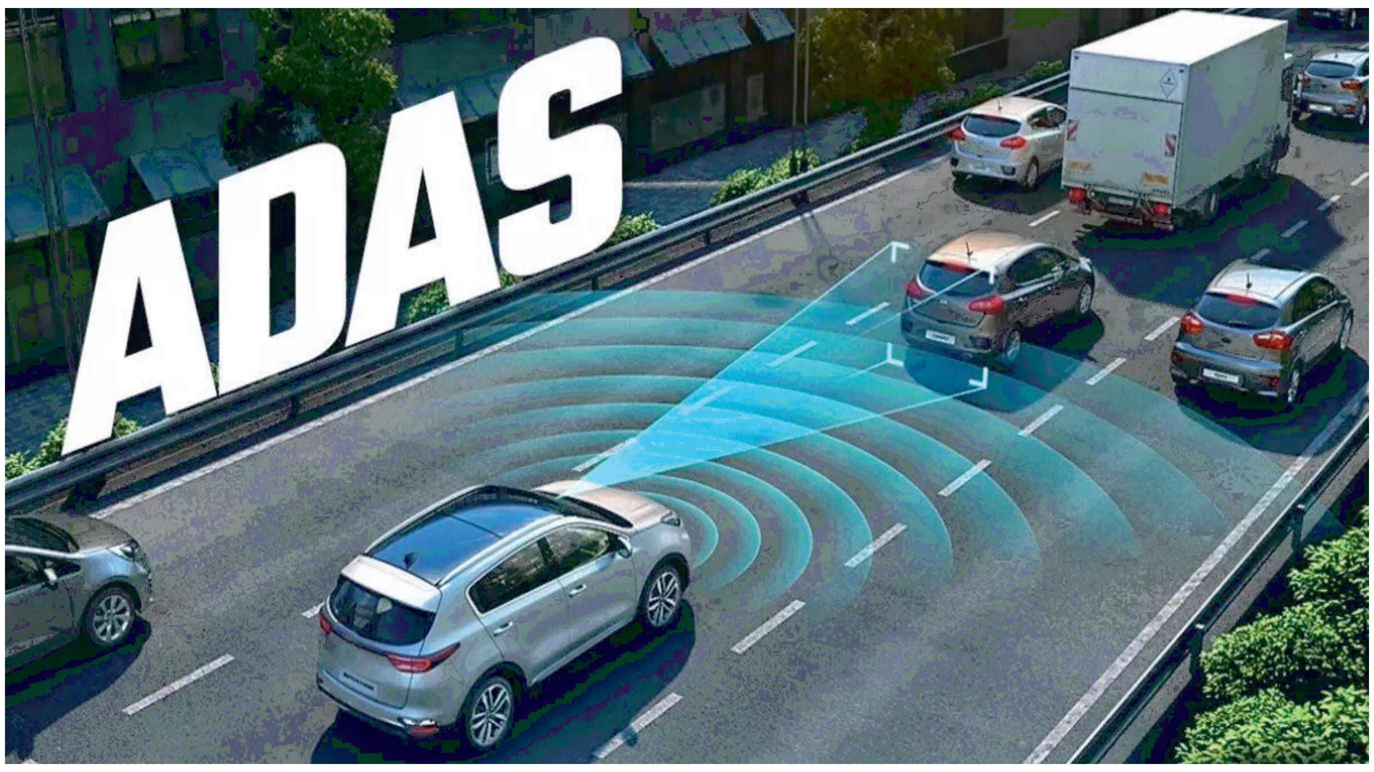

जिन्हें टेक्निकल भाषा में Soc कहा जाता है। ये चिप इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोल युनिट के साथ जुड़कर काम करती हैं और वर्तमान परिस्थिति के हिसाब से चीजों को एडजस्ट करती है।

जिससे कि ड्राइवर के पास वर्तमान परिस्थिति के हिसाब से निकट भविष्य में होने वाली संभावित घटना के बारे में ड्राइवर पता लग जाता है, जिससे कि उसके पास इसे नियंत्रण करने का मौका होता है।

ADAS के मुख्य फीचर्स

वैसे तो एडास में अनेकों फीचर्स दिए जाते हैं। लेकिन नीचे कुछ महत्वपूर्ण फीचर्स के बारे में बता रहे हैं।

फॉरवर्ड कोलिजन वार्निंग
रियर कोलिजन वार्निंग
ऑटोनमस इमरजेंसी ब्रेकिंग
ब्लाइंट स्पॉट डिटेक्शन

कॉम्पैक्ट SUV खरीदने से पहले जानिए इसके फायदे और नुकसान, नहीं होगा कन्फ्यूजन

Compact SUV खरीदने के पीछे ग्राहकों का टशन होता है। क्योंकि इस तरह की गाड़ी देखने में आकर्षक लगती है। इनमें पूरी एसयूवी की तुलना में कुछ चीजें कम ऑफर की जाती है। लेकिन जब बात कम्फर्ट की आती है तो ये ग्राहकों के लिए बेस्ट साबित होती हैं। हम यहां कॉम्पैक्ट एसयूवी खरीदने के कुछ बेनिफिट्स बताने वाले हैं।

नई दिल्ली। भारतीय वाहन मार्केट में समय के साथ कॉम्पैक्ट साइज में आने वाली गाड़ियों की डिमांड बढ़ी है। पिछले कुछ वर्षों के भीतर ही ये सेगमेंट ग्राहकों के दिलों में स्थान बनाने में सफल हुआ है। ऐसे में बहुत से लोग होते हैं जो कन्फ्यूजन में रहते हैं कि उन्हें कॉम्पैक्ट कार खरीदनी चाहिए या नहीं।

आज के इस लेख में हम आपको इसी तरह की गाड़ियों के बैनिफिट्स बताने वाले हैं और इसके कुछ नुकसान भी बताएंगे।

क्यों खरीदनी चाहिए कॉम्पैक्ट एसयूवी

कॉम्पैक्ट एसयूवी खरीदने के पीछे ग्राहकों का टशन होता है। क्योंकि इस तरह की गाड़ी देखने में आकर्षक लगती है। इनमें पूरी एसयूवी की तुलना में कुछ चीजें कम ऑफर की जाती है। लेकिन जब बात कम्फर्ट की आती है तो ये ग्राहकों के लिए बेस्ट साबित होती हैं।

इनमें एसयूवी की तुलना में सीटिंग कैपिसिटी कम मिलती है और इनका साइज भी इसकी तुलना में छोटा होता है। इन्हें किसी भी जगह ड्राइविंग करने के लिहाज से तैयार किया जाता है। यानी एसयूवी के छोटी गलियों या रास्तों में फंसने की दिक्कत होती है। लेकिन कॉम्पैक्ट एसयूवी के साथ ऐसा नहीं होता है।

पावर के मामले में कौन बेस्ट

अब बात पावर की करी जाए, तो इन गाड़ियों को भी मुख्यतौर पर ऑफरोडिंग या ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर ड्राइव करने के लिए बनाया जाता है। लेकिन जो फुल एसयूवी होती हैं उनमें कॉम्पैक्ट एसयूवी की तुलना में ज्यादा पावरफुल इंजन मिलता है। लेकिन यहां ध्यान देने वाली बात है कि कॉम्पैक्ट एसयूवी भी बहुत से मामलों में फुल साइज एसयूवी को टक्कर देती हैं।

कॉम्पैक्ट एसयूवी के उदाहरण

टाटा नेक्सन, मारुति सुजुकी ब्रेजा, किआ सेल्टॉस और हुंडई क्रेटा जैसी गाड़ियां कॉम्पैक्ट एसयूवी के सही उदाहरण हैं। वहीं फुल साइज एसयूवी में टोयोटा फॉर्च्यूनर, फॉर्ड एंडेवर जैसी गाड़ियों को शामिल किया जा सकता है।

7 सीटर SUVs सेगमेंट में जल्द दस्तक देने आ रही हैं ये गाड़ियां, लिस्ट में स्कोडा और एमजी का नाम शामिल

Upcoming 7 Seater SUVs एमजी ग्लॉस्टर वर्तमान समय में ब्रांड के द्वारा फ्लैगशिप सेगमेंट में पेश की जाती है। लेकिन खबरें हैं कि इसके फेसलिफ्ट मॉडल को कुछ बदलावों के साथ भारत में पेश किया जा सकता है। लॉन्च से पहले गाड़ी के कुछ टेस्ट म्यूल भी सामने आ चुके हैं जिनसे संकेत मिलता है कि इस निकट भविष्य में भारतीय बाजार में उतारा जा सकता है।

नई दिल्ली। फैमिली कारों की डिमांड तेजी से बढ़ रही है और यही वजह है कि 7 सीटर एसयूवी सेगमेंट खूब फल फूल रहा है। बीते वर्ष इस सेगमेंट में अनेकों वाहन लॉन्च किए गए थे। वहीं आने वाले सालों में भी कई ऐसी गाड़ियां हैं। जो सेगमेंट में लॉन्च की जाएंगी। यहां ऐसी कारों की लिस्ट लेकर आए हैं, जो इस साल भारत में लॉन्च की जा सकती हैं।

MG Gloster Facelift

एमजी ग्लॉस्टर वर्तमान समय में ब्रांड के द्वारा फ्लैगशिप सेगमेंट में पेश की जाती है। लेकिन खबरें हैं कि इसके फेसलिफ्ट मॉडल को कुछ बदलावों के साथ भारत में पेश किया जा सकता है। लॉन्च से पहले गाड़ी के कुछ टेस्ट म्यूल भी सामने आ चुके हैं जिनसे संकेत मिलता है कि इस निकट भविष्य में भारतीय बाजार में उतारा जा सकता है।

बीते साल अक्टूबर महीने में वैश्विक स्तर पर इस गाड़ी का अनावरण किया गया था और उम्मीद की जा रही है कि इसके नेक्स्ट जेन मॉडल को इस साल लॉन्च किया जा सकता है। MQB Evo प्लेटफॉर्म पर तैयार की गई पुरानी Kodiaq की तरह ही आगामी गाड़ी भी हो सकती है। इसके डिजाइन और फीचर्स के पैमाने पर समान रखने की बात कही जा रही है।

जापानी वाहन निर्माता टोयोटा भी इन दिनों टोयोटा फॉर्च्यूनर के मिल्ड हाइब्रिड पर काम कर रही है। रिपोर्ट्स की माने तो इस गाड़ी को बेहतर फ्यूल एफिशियंसी के साथ भारत में लॉन्च किया जा सकता है। इसमें 2.8 लीटर का मिल्ड हाइब्रिड इंजन मिलने की संभावना है।

Kia EV9

आगामी महीनों में किआ भारतीय बाजार में किआ कार्निवल चौथी पीढ़ी को पेश कर सकती है। इसके अलावा एक और गाड़ी को लेकर खबरें हैं और वह गाड़ी है Kia EV9, जिसको लेकर कहा जा रहा है कि इसे इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में साल के अंत तक या फिर 2025 के शुरुआत में लॉन्च किया जा सकता है।

रोम-रोम में अंतर्मुखी राम को पहचानें लोग

प्रो. सुरेश शर्मा

इस भव्य आयोजन के साथ देश तथा दुनिया में समभाव, सद्भाव, प्रेम तथा शांति की प्रार्थना की जानी चाहिए। श्रद्धा के साथ इसे मनाया जाए'

मनु द्वारा स्थापित अयोध्या को साकेत और राम नगरी भी कहा जाता है।

अथर्ववेद के अनुसार धर्मनगरी अयोध्या को देवताओं का स्वर्ग माना गया है। स्कन्द पुराण के अनुसार सरयू नदी के तट पर बसी प्रभु राम की नगरी अयोध्या को ब्रह्मा, विष्णु और महेश का पवित्र स्थान माना गया है। अयोध्या मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की जन्म भूमि है। भगवान राम की दिव्यता, भद्रता, सभ्यता तथा भव्यता को प्रतिबिंबित करने वाला 22 जनवरी 2024 का दिन भारतवर्ष के इतिहास के पन्नों में दर्ज होने वाला है। करोड़ों देशवासी बहुत ही उत्सुकता तथा बेसब्री से इस दिन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। भारतीय संस्कृति, सभ्यता एवं धर्म की दृष्टि से यह दिन ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व होगा। श्री राम तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की देखरेख में राम जन्मभूमि पर निर्माणाधीन 2.7 एकड़ जमीन पर श्री राम मन्दिर बनाया गया है। यह निर्माणाधीन तीर्थस्थल लार्सन एंड टूब्रो कम्पनी द्वारा मन्दिर के डिजाइन तथा निःशुल्क देखरेख में पूर्ण चुका है। इस परियोजना में चार वर्षों से लगभग 1600 कर्मचारी, इंजीनियर तथा कारीगर हर रोज चौबीस घण्टे कार्य कर रहे थे। इस भव्य राम मंदिर के निर्माण में लगभग 1800 करोड़ रुपए का अनुमान है। लगभग 500 वर्षों की प्रतीक्षा तथा वर्षों से अपने अधिकार एवं न्याय की लड़ाई के बाद बन चुका यह अयोध्या धाम दुनिया में करोड़ों हिंदुओं की आस्था तथा भावनात्मकता का प्रतीक होगा। इस परिसर में मुख्य राम मन्दिर की ऊंचाई 162 फीट होगी। मुख्य मन्दिर के साथ छह और मन्दिर बनाए गए हैं।

मन्दिर के मुख्य द्वार को 'सिंह द्वार' के नाम से जाना जाएगा। इस मन्दिर में 392 पिल्लर, 44 गेट तथा मुख्य मन्दिर तक 32 सीढियां होंगी। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाले भगवान राम की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा के लिए 26 जनवरी 2024 से प्राण प्रतिष्ठा विधियों के लिए 12 आधिवासों का 16 जनवरी से कार्यक्रम शुरू हो चुका है। 22 जनवरी 2024 को 12 बजकर 20 मिनट पर अभिजीत मुहूर्त में मुख्य अनुष्ठान शुरू होगा तथा चालीस मिनट की विशेष पूजा के पश्चात नवनिर्मित मंदिर के गर्भगृह में भगवान राम की मूर्ति स्थापित होगी। देश के प्रधानमंत्री को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों द्वारा निमंत्रित किया जा चुका है। प्रधानमंत्री स्वयं भी इस विशाल आयोजन में भाग लेने के लिए उत्साहित हैं। सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया तथा इलेक्ट्रॉनिक

मीडिया ने पूरा वातावरण परिवर्तित कर दिया है। पूरा देश राममय हो चुका है। भारतीय सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक तथा राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में भी यह ऐतिहासिक घटना महत्वपूर्ण है। 30 दिसम्बर 2023 को प्रधानमंत्री ने अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि हवाई अड्डे तथा अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन का उद्घाटन करने के पश्चात लोगों से आग्रह किया कि 22 जनवरी को केवल आमन्त्रित व्यक्ति ही अयोध्या पहुंचें। प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अयोध्या नगरी का रुख न करें। इससे प्रशासन तथा कानून व्यवस्था प्रभावित होगी। अत्यधिक भीड़ से जनजीवन प्रभावित होगा। उन्होंने 22 जनवरी 2024 को देशवासियों से अपने घर पर ही रहकर श्री राम ज्योति जलाने तथा दीपावली मनाने का आग्रह किया। 26 जनवरी 2024 से यह मन्दिर सार्वजनिक दर्शनों के लिए आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। भगवान राम को श्री हरि विष्णु अवतार माना जाता है। भगवान राम आदर्श पुरुष हैं जो प्रत्येक व्यक्ति के लिए उदाहरणीय एवं अनुकरणीय है, इसलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है।

भगवान राम संस्कृति, सभ्यता, आदर्श, दया, धर्म, करुणा, सत्य, प्रेम, त्याग, समर्पण और मर्यादा के प्रतीक हैं। अपने कत्तव्य निर्वहन, साहस, निष्ठा, भक्ति दृढ़ता, त्याग तथा न्याय व मर्यादित आचरण के कारण भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है। उन्होंने पिता की आज्ञा का पालन करते हुए राजपाठ छोडक़र 14 वर्ष वनों में बिताए, फिर भी अपने आचरण से जीवन के शाश्वत मूल्यों तथा सिद्धान्तों का पालन करते हुए एक श्रेष्ठ राजा कहलाए। भारतीय संस्कृति तथा जनमानस में राम एक सभ्यता है, राम एक दृष्टि है, राम एक दर्शन है तथा एक श्रेष्ठ जीवन पद्धति है। वर्तमान में नई पीढ़ी द्वारा भगवान राम के चरित्र, आदर्श, संस्कार, विचार को आत्मसात किए जाने की नितांत आवश्यकता है तथा मन नायक तथा जननायक प्रभु राम के सूक्ष्म रूप को आत्मा की दृष्टि से अनुभूत करने की आवश्यकता है। निश्चित रूप से भारतवर्ष के इतिहास में 22 जनवरी 2024 का दिन एक ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व दिन होगा। राम जन-जन के प्राण हैं। राम सभी के प्राण आधार हैं। राम सभी के आदर्श हैं। राम सभी व्यक्तियों, जातियों, पंथों, मतों, समुदायों, सम्प्रदायों तथा धर्मों से श्रेष्ठ हैं। इस अवसर को बहुत ही श्रद्धा, विश्वास, उल्लास तथा उत्साह के साथ मनाया जाना चाहिए। इस मन्दिर के निर्माण का श्रेय भी सभी करोड़ों भारतवासियों को है और सभी देशवासी बधाई के पात्र भी हैं। राम सभी प्राणियों को आत्मा से जोड़ते हैं। हालांकि इस आयोजन के परिप्रेक्ष्य में देश के शहरों, गांवों, गली, मुहल्लों, नगरों तथा महानगरों में चुपके से राजनीतिक तथा चुनावी ब्यार भी बह रही है। व्यावहारिक दृष्टिकोण यह है कि इस ऐतिहासिक आयोजन में कोई भी तथा किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं होनी चाहिए।

धर्म तथा संस्कृति को सक्रिय राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए। हालांकि भारत के संविधान की मूल प्रति में मौलिक अधिकारों से जुड़े अध्याय के आरम्भ में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम, माता सीता तथा भाई लक्ष्मण का स्कैच अंकित है। देश के प्रधान न्यायाधीश की सीट पर मूल सिद्धांत के रूप में धर्म की व्याख्या करते हुए 'यतो धर्मस्ततो जयः', (अर्थात जहां धर्म है वहां जय यानी जीत है) से व्याख्या की गई है। इसलिए भारतीय परिप्रेक्ष्य में भगवान राम, लोकतन्त्र, नैतिकता, न्याय तथा राजनीति को भी अलग नहीं किया जा सकता। राम केवल हिंदुओं के राम नहीं बल्कि विश्व में कण-कण तथा जन-जन में राम व्याप्त हैं। बहरहाल यह अवसर किसी धर्म, जाति, मत, पंथ, दल, मजहब, समाज या संप्रदाय का विषय नहीं है। इस भव्य आयोजन के साथ देश तथा दुनिया में समभाव, सद्भाव, प्रेम तथा शान्ति की प्रार्थना की जानी चाहिए। इस भारतीय विशाल ऐतिहासिक महोत्सव को अगाध श्रद्धा, उत्साह तथा उल्लास से मनाया जाना चाहिए। इसी में प्रभु श्री राम तथा राम मंदिर की सार्थकता है। लोग रोम-रोम में

संपादक की कलम से

हिमाचल की रामायण से

अयोध्या में राम मंदिर के बहाने सांस्कृतिक जागरण भी हो रहा है और अगर हम इसकी परिक्रमा कर रही सियासत को भूल जाएं, तो भारत के पौराणिक दर्शनों में कई किंवदंतियां साक्षात होती दिखाई देती हैं। यह अयोध्या में अयोध्या नहीं, बल्कि राम की गाथा में भारत के दर्शन हैं। यही परंपराएं अयोध्या से हिमाचल का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक व सियासी रिश्ता भी जोड़ती हैं। कुल्लू में विराजित भगवान रघुनाथ की अपनी विशिष्ट परंपराओं में अयोध्या के कदम, भगवान राम की विजयी पदचाप और लोक संस्कृति में राम का महात्म्य सुनाई देता है। देव परंपरा के कई राम और राम के चरित्र बिंदु समाज को सचेतन व शासक को उसकी मर्यादा सिखाते हैं। अगर गौर से देव परंपरा को देखें, नियमावली-शब्दावली और रिवायतों को समझें तो यहां समाज का पालक भगवान है और सांस्कृतिक संरक्षक भी देव परंपरा है। यहां आदेश फरमाते देवता और लोकतांत्रिक मूल्य बताते गूर भी मिल जाएंगे। मौसम का हाल सुनाते, सृष्टि पर देव दृष्टि का फलक सजाते और पारंपरिक रिवायतों में फर्ज निभाते समाज को अगर हिमाचल के नजरिए से देखें, तो राम यहां का चारित्रिक उत्थान देव परंपरा का आख्यान है। हिमाचल से अयोध्या के रिश्ते और मंदिर की प्राण स्थापना को लेकर उत्साह नहीं, बल्कि अनुभूतियां भी हैं। भाजपा के पालमपुर राष्ट्रीय अधिवेशन में राम मंदिर निर्माण का प्रस्ताव अपने चौतीसवें वर्ष में एक पताका बनकर मौजूद है, तो याद करना होगा कि उस समय के नेता इस समय कहां हैं। दूसरी ओर कुल्लू, रघुनाथ मंदिर अपनी परंपराओं में बसे राम की पादुकाएं अयोध्या रवाना कर चुका है, तो इस ऐतिहासिक क्षण के चरम बिंदु पर हिमाचल के आंचल पर लिखी गई रामायण और महाभारत का वृत्तांत भी होना चाहिए। हिमाचल की देव संस्कृति में झांक कर देखेंगे तो एक पल राम, एक पल कृष्ण, एक पल बौद्ध बनते अशोक, ज्योतिर्लिंग तथा दुर्गा शक्ति पीठ दिखाई देंगे। इतना ही नहीं कई ऐतिहासिक गुरुद्वारे, गुरु की नगरियां और प्राचीन मठों में ज्ञान के कई अद्भुत स्रोत मिलेंगे। ऐसे में महेश्वर सिंह जिस भाव और परंपरा के पुरुषार्थ को लेकर राम मंदिर पहुंचे हैं, वहां हजारों सालों से रघुनाथ मंदिर का आशीर्वाद भी देश के सामने है। कुल्लू का दशहरा इसी राम जी के अस्तित्व की परंपरा को लेकर अपना रथ खींच रहा है, लेकिन देश की भक्ति अब राष्ट्र भक्ति है, इसलिए परंपराएं नवजीवन धारण कर रही हैं, वरना हजारों सालों से राम लला अगर कष्ट में थे तो रघुनाथ जी कुल्लू में इस दूरी को समझ रहे थे। कहने का अर्थ यह कि देश में पैदा हो रही सांस्कृतिक चेतना से जिस तरह के धार्मिक पर्यटन का उदय हो रहा है, उसे देखते हुए हिमाचल की देव संस्कृति को भी निखारा जाए। अयोध्या के लिए अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट अब अगर हकीकत है, तो कांगड़ा एयरपोर्ट के धार्मिक महत्त्व से इसका विस्तार सुनिश्चित होना चाहिए। इससे आसपास के प्रमुख मंदिरों के अलावा बौद्ध सर्किट बनाने में मदद मिलेगी। राम मंदिर निर्माण के बाद रघुनाथ मंदिर को भी अगर इसकी पौराणिक मान्यता के अनुरूप विस्तार दिया जाए, तो यह स्थल न केवल दर्शनीय हो जाएगा, बल्कि कुल्लू दशहरा उत्सव का आभामंडल बदल जाएगा। जिन्होंने दशहरा उत्सव देखा होगा या इसके अभिप्राय में राम के आचरण को महसूस किया होगा, वे जरूर जानते होंगे कि पहाड़ी देवताओं के समागम में हिमाचल की संस्कृति देश की थाती बन जाती है। यहां संगठित देव संस्कृति को अगर देश तवज्जो दे, तो असली भारत की रामायण यहां नजर आएगी और महाभारत भी। देव ग्रंथों, वेदों, उपनिषदों के तमाम ज्ञान स्रोत जहां-जहां ईश्वर को पुकारते हैं, वहां हिमाचल के कण-कण में प्रमाणित होते देवता चले आते हैं। अतः राम अयोध्या को पुकार रहा है, तो रघुनाथ जी देश को हिमाचल में पुकार रहे हैं।

चर्चा

पर्यटन अमावस्या से बचें

पर्यटनकी खिड़कियां पूछ रहीं, वह सामने क्यों टांग दी उलटी तस्वीर। ये जन्नत की निगाहों में क्यों फंस गए तिनके, बहारों के आंचल में तो ऐसा कुछ न था। हिमाचल यूं तो पर्यटन राज्य की तासीर में फलता-फूलता दिखाई देता है, लेकिन इन आंकड़ों में खुशहाली नहीं। शीतकालीन पर्यटन की अमावस्या इस बार पर्यटन के चांद को छुपा रही है कहीं, इसलिए नववर्ष की आंधी कहीं लौट गई। जो रास्ते पर्यटन की पदचाप सुनाते थे, वे आज अपनी शिकायत दर्ज करा रहे हैं। शायद इन्हीं शिकायतों को सुनकर हिमाचल पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष रघुवीर सिंह बाली ने नजर दौड़ाई तो देखा सरकारी होटलों ने मुस्कराना छोड़ दिया और आक्यूपेंसी की घटती दर ने गंभीर चुनौती दे दी। अगर निजी वोल्वो बसों की आमद में सैलानी खोजे जाएं, तो एक वसंत वहां है, लेकिन यह कारवां नहीं कि मंजिलें फतह मान ली जाएं। शुक्र यह कि पहली बार कोई अध्यक्ष पर्यटन विकास निगम की होटल इकाइयों के अस्तित्व से जुड़े प्रश्न उन्हीं के प्रबंधकों से पूछ रहा। जाहिर है आक्यूपेंसी बढ़ाने का लक्ष्य बड़ा है, लेकिन इससे पहले इसके घटने की वजह भी तो खोजी जाए। सरकारी होटलों ने अपनी क्षमता के अनुरूप या तो व्यवहार करना नहीं सीखा या प्रबंधन की जरूरत में व्यावसायिकता अर्जित नहीं की, वरना पर्यटन के अवसर निजी होटलों की ओर क्यों सरकते। विश्वसनीयता के हिसाब से पर्यटकों के लिए सरकारी होटलों के प्रति जो रुझान स्वाभाविक भी था, उसने क्यों परिवर्तित दिशा पकड़ ली। यह भी एक सत्य है कि सरकारी होटलों के दायरे में श्रेष्ठ समझे गए कुछ प्रबंधकों ने अपने सेवा काल का उपयोग या तो राजनीतिक संबंध बनाने में किया या अपनी क्षमता के अनुरूप निजी होटल बनाने में किया।

आरएस बाली सर्वेक्षण से पता लगा सकते हैं कि पर्यटन विकास निगम के बगल में इसी के प्रबंधकों ने निजी होटल छिपा रखे हैं। एक मूल्यांकन पर्यटन इकाइयों का भी जरूरी है ताकि पता चले कि ये निकम्मी क्यों साबित हो रही हैं। सार्वजनिक क्षेत्र में होटल चलाने की आवश्यकताओं में यह फर्ज भी नत्थी है कि ये पर्यटन का नेतृत्व करें, लिहाजा बदलते उद्योग की संज्ञा में उद्देश्य भी बदलने होंगे। पर्यटन निगम के होटलों को अपनी मार्केटिंग रणनीति में बदलाव करते हुए बुकिंग के बदलते संसार में, ऑनलाइन प्रयास से निजी कंपनियों से जुडऩा चाहिए। विडंबना यह है कि हिमाचल में निजी क्षेत्र के साथ सरकारी फाइल जुडऩा नहीं चाहती। हिमाचल में हाई एंड टूरिस्ट, युवा सैलानी तथा पहाड़ों की तलाश में देश को खोज रहे पर्यटक नई संभावना पैदा कर रहे हैं, अतः पर्यटन निगम को कुछ होटलों को ए, कुछ को बी तथा अन्य को सी श्रेणी में विभक्त करके मार्केटिंग प्रयास करने होंगे। शिमला के ट्रिपल एच, होटल धौलाधार, मनाली व धर्मशाला के क्लब हाउस, मनाली के लॉग हट तथा कोर्ट आदेश पर वापस मिल रहे वाइल्ड फ्लावर हॉल को प्रीमियर होटलों की दृष्टि से हाई एंड टूरिस्ट की मांग से जोडऩा होगा। बजट टूरिस्ट की दृष्टि से अन्य होटलों को सुविधाजनक दरों तथा अन्य इकाइयों को युवा पर्यटक की जरूरतों तथा छात्रावास जैसे अनुभव के लिए निर्धारित करना होगा। हिमाचल पर्यटन विकास निगम को निजी वोल्वो बसों तथा ट्रैवल एजेंसियों के साथ मिलकर ऐसे पैकेज बनाने होंगे, जो युवा पर्यटकों को पूरे हिमाचल की सैर व स्टे करवाने के लिए तत्पर रहें।

योगेंद्र योगी

ड्रैगन के जाल से निकलना आसान नहीं

मालदीव में परंपरा रही है कि नए राष्ट्रपति सबसे पहले भारत की यात्रा करते रहे हैं। मोइज्जू ने भारत विरोध के चलते इसकी शुरुआत नहीं की। मालदीव, पाक जैसी गलती पर है'

भारत का विरोध और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले मालदीव के लिए चीन से रिश्ते पचाना इतना आसान नहीं है। चीन की अघोषित साम्राज्यवादी नीति का शिकार श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के कई देश हो चुके हैं। चीन ने इन देशों को आर्थिक रूप से जकड़ कर गुलाम बनाने में कसर बाकी नहीं रखी। भारत ने आर्थिक पैकेज देकर समय रहते श्रीलंका को चीन के हाथों नहीं बचाया होता तो यह देश कब का कंगाल हो गया होता। भारत के साथ विवाद के बीच मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने चीनी समकक्ष शी चिनफिंग के साथ बैठक की। इसके बाद दोनों देशों ने 20 प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इन समझौतों की आड़ में चीन न सिर्फ मालदीव को आर्थिक शिकंजे में कसेगा बल्कि अपनी सैन्य विस्तार की नीति को भी अंजाम देने से बाज नहीं आएगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 4 जनवरी को लक्षद्वीप के दौरे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। इस पर मालदीव के तीन मंत्रियों ने आपत्तिजनक बयानबाजी की। इन तस्वीरों पर मालदीव की मुइज्जू सरकार में मंत्री मरियम शिउना ने आपत्तिजनक ट्वीट किए थे। उन्होंने मोदी को इजरायल से जोड़ते हुए निशाने पर लिया था और लक्षद्वीप का भी मजाक उड़ाया था। इससे भारत में रोष की लहर फैल गई। सोशल मीडिया पर देश में बॉयकॉट मालदीव शुरू हो गया है और कई लोगों ने मालदीव के लिए फ्लाइट और होटल बुकिंग कैंसिल करवा दी। आम जनता से लेकर फिल्मी हस्तियां भी भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र के सपोर्ट में उतर आई। इस बीच मालदीव के कई दिग्गज नेताओं ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत का सपोर्ट किया और आपत्तिजनक बयान की कड़ी निंदा की। मामला बढ़ता देख मालदीव की सरकार ने कहा कि जो बातें सोशल मीडिया पर कही गईं वे निजी बयान हैं और इनका सरकार से कोई नाता नहीं। घबराए मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने तीनों मंत्रियों को निलंबित कर मामले को ठंडा करने का प्रयास किया।

इसके बावजूद देश में रोष बरकरार है। मुइज्जू ने चीन के फुजियान प्रांत में मालदीव बिजनेस फोरम को संबोधित किया। यहां वह चीन के सामने पर्यटक भेजने के लिए गिड़गिड़ाते नजर आए। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि चीन अधिक पर्यटकों को भेजने के प्रयासों को तेज करे। मालदीव में 2023 के राष्ट्रपति चुनावों के दौरान भारत विरोधी भावनाओं को उभारा गया और इस विषय पर दुष्प्रचार का प्रयास किया था। यूरोपीय संघ (ईयू) की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव (पीपीएम) और पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) के सत्तारूढ़ गठबंधन ने दुष्प्रचार किया था। मालदीव के लिए यूरोपियन इलेक्शन ऑब्जरवेशन मिशन (ईयूईओएम) ने पिछले साल नौ और 30 सितंबर को हुए दो दौर के चुनाव पर अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रकाशित की। रिपोर्ट में कहा गया है कि सत्तारूढ़ गठबंधन प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव और पीपुल्स नेशनल कांग्रेस ने 2023 के राष्ट्रपति चुनाव में भारत विरोधी भावनाओं को प्रमुखता दी और गलत सूचना फैलाने का प्रयास किया, जिससे मुइज्जू ने जीत हासिल की थी। राष्ट्रीय अधिकारियों के निमंत्रण पर हिंद महासागर में स्थित द्वीपीय राष्ट्र में 11 सप्ताह के लंबे अवलोकन के बाद ईयूईओएम ने कहा कि पीपीएम-पीएनसी गठबंधन द्वारा चलाया गया अभियान राष्ट्र पर भारत के प्रभाव की आशंकाओं पर आधारित था। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईयूईओएम पर्यवेक्षकों ने पीपीएम-पीएनसी की ओर से राष्ट्रपति के प्रति अपमानजनक भाषा के उदाहरण देखे हैं। इसमें कहा गया कि पार्टियों के अभियान में भारत विरोधी भावनाएं शामिल थीं। देश के अंदर भारतीय सैन्य कर्मियों की उपस्थिति के बारे में भी चिंता प्रकट की गई थी। इसके साथ ही ऑनलाइन दुष्प्रचार अभियान चलाए गए। ईयू मिशन ने उल्लेख किया कि राजनीतिक और प्रचार अभियान के तहत धन उगाहने और वित्तीय व्यय में पारदर्शिता और प्रभावी निगरानी का अभाव देखा गया। ईयूईओएम ने सरकारी मीडिया सहित मीडिया के राजनीतिक पक्षपात को भी दर्ज किया, जबकि इंटरनेट मीडिया में सूचना में हेरफेर के भी कुछ संकेत मिले। उस समय के मौजूदा राष्ट्रपति मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के इब्राहिम मोहम्मद सोलिहए पिछले साल फिर से चुनाव में उतरे थे। विपक्षी पीपीएम-पीएनसी गठबंधन द्वारा समर्थित पीएनसी के मोहम्मद मुइज्जू ने उन्हें हराकर 54 प्रतिशत वोटों के साथ चुनाव जीता। गौरतलब है कि भारत का प्रयास रहा है कि सभी पड़ोसी देशों से बराबरी के द्विपक्षीय रिश्ते कायम रहे।

भारत ने कभी भी पड़ोसी छोटे मुल्कों के साथ छलकपट नहीं किया। यही वजह रही कि भारत ने नेपाल और बांग्लादेश के साथ सीमा संबंधी विवादों को द्विपक्षीय सहयोग से हल करने का प्रयास किया। भारत ने उदारता दिखाते हुए बांग्लादेश को कई हिस्से वापस तक कर दिए। यहां तक कि गृहयुद्ध से जूझ रहे बर्मा में भी भारत ने कभी निजी हितों के मद्देनजर हस्तक्षेप करके अनुचित फायदा लेने का प्रयास नहीं किया। इसके विपरीत चीन छलकपट की नीति अपनाता रहा है। इसका नया प्रमाण भूटान के राजशाही परिवार के अधीन आने वाली सीमावर्ती भूमि पर चीन का अतिक्रमण है। मालदीव की पूरी अर्थव्यवस्था पर्यटन पर आधारित है। इसमें एक बड़ा हिस्सा भारत के पर्यटकों का है। वर्ष 2023 में 17 लाख से अधिक पर्यटकों ने मालदीव की

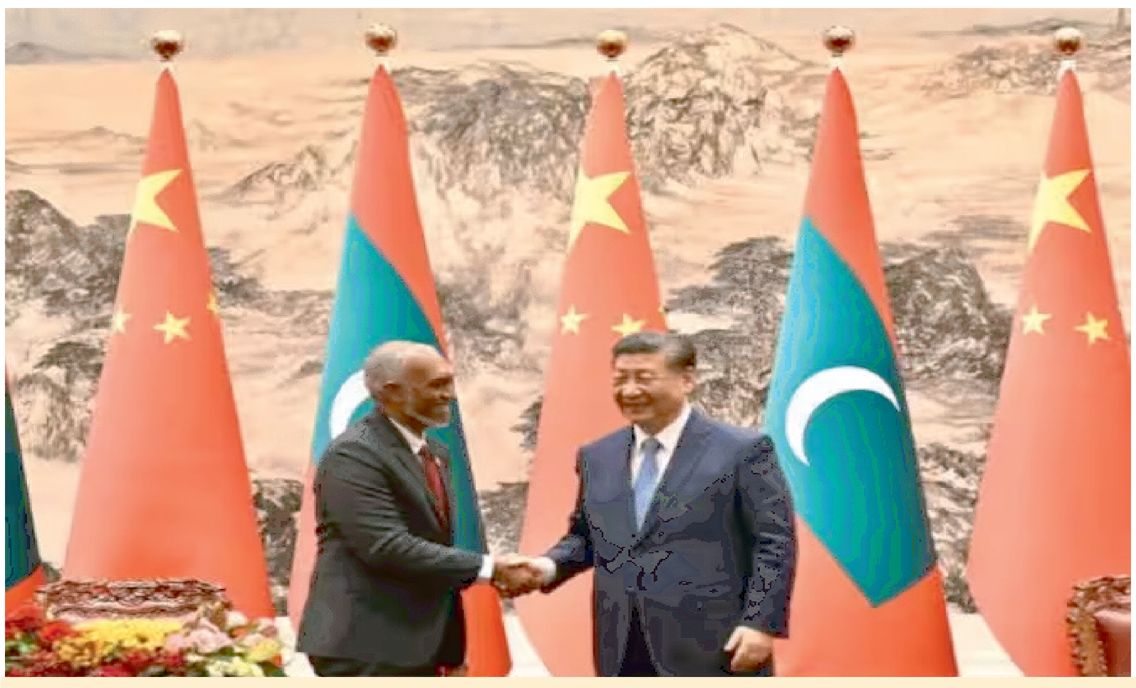

भारत ने कभी भी पड़ोसी छोटे मुल्कों के साथ छलकपट नहीं किया। यही वजह रही कि भारत ने नेपाल और बांग्लादेश के साथ सीमा संबंधी विवादों को द्विपक्षीय सहयोग से हल करने का प्रयास किया। भारत ने उदारता दिखाते हुए बांग्लादेश को कई हिस्से वापस तक कर दिए। यहां तक कि गृहयुद्ध से जूझ रहे बर्मा में भी भारत ने कभी निजी हितों के मद्देनजर हस्तक्षेप करके अनुचित फायदा लेने का प्रयास नहीं किया। इसके विपरीत चीन छलकपट की नीति अपनाता रहा है। इसका नया प्रमाण भूटान के राजशाही परिवार के अधीन आने वाली सीमावर्ती भूमि पर चीन का अतिक्रमण है। मालदीव की पूरी अर्थव्यवस्था पर्यटन पर आधारित है। इसमें एक बड़ा हिस्सा भारत के पर्यटकों का है। वर्ष 2023 में 17 लाख से अधिक पर्यटकों ने मालदीव की यात्रा की थी जिनमें 2.09 लाख से अधिक भारतीय थे। इसके पहले 2022 में भारतीय सैलानियों की संख्या 2.4 लाख से अधिक थी। राजनीतिक संकट हो, आर्थिक मदद हो या फिर कोई आपदा हो, जब-जब मालदीव को मदद की जरूरत थी, तब-तब भारत उसके साथ खड़ा नजर आया। वर्ष 2020 में जब कोरोना महामारी का संकट पूरी दुनिया पर छाया हुआ था, तब भी भारत सरकार ने स्थिति से निपटने के लिए मेडिकल टीम वहां भेजी और टीकाकरण अभियान भी चलाया। भारत ने कभी भी जोर-जबरदस्ती से सेना को मालदीव में नहीं भेजा।

यात्रा की थी जिनमें 2.09 लाख से अधिक भारतीय थे। इसके पहले 2022 में भारतीय सैलानियों की संख्या 2.4 लाख से अधिक थी। राजनीतिक संकट हो, आर्थिक मदद हो या फिर कोई आपदा हो, जब-जब मालदीव को मदद की जरूरत थी, तब-तब भारत उसके साथ खड़ा नजर आया। वर्ष 2020 में जब कोरोना महामारी का संकट पूरी दुनिया पर छाया हुआ था, तब भी भारत सरकार ने स्थिति से निपटने के लिए मेडिकल टीम वहां भेजी और टीकाकरण अभियान भी चलाया। भारत ने कभी भी जोर-जबरदस्ती से सेना को मालदीव में नहीं भेजा। फरवरी 2021 में भारत ने मालदीव के साथ उथुरू थिला फाल्हू द्वीप पर राष्ट्रीय रक्षा बल तटरक्षक बंदरगाह को विकसित करने के लिए विकास सौदे पर साइन किए थे। इस सौदे के जरिए समुद्र क्षेत्र की बेहतर निगरानी में मदद मिली थी। इसके बाद भारत ने मालदीव को कोस्टगार्ड के लिए एक पेट्रोल वैसल, एयर सर्विलांस के लिए एयर डॉर्नियर विमान, दो अटैक हेलिकॉप्टर प्रचंड दिया था। इसके अलावा 75 भारतीय जवानों को ट्रेनिंग के लिए भेजा गया। हालांकि भारतीय सेना की मौजूदगी के खिलाफ इंडिया आउट अभियान चलाया गया। मोहम्मद मुइज्जू ने अपने राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान इंडिया आउट का नारा दिया था।

उन्होंने भारतीय सेना की 75 सैनिकों वाली टुकड़ी को हटाने का संकल्प लिया था। इसके अलावा मालदीव में विपक्षी दलों ने मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी की सरकार को भारत के साथ अपनी बढ़ती निकटता के लिए निशाना बनाया था। यही नहीं, तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम सालेह पर भारत को मालदीव बेचने का आरोप लगाया था। मालदीव में साल 2023 में राष्ट्रपति चुनाव हुए थे। इसमें मोहम्मद मोइज्जू की जीत हुई थी। मोइज्जू ने चुनाव प्रचार के दौरान भी भारत का विरोध किया। राष्ट्रपति चुने जाने के बाद मोइज्जू ने भारत से अपनी सेना वापस लेने को कहा। उकसावे भरी कार्रवाई के तहत मोइज्जू ने पहले टर्की और फिर चीन की यात्रा की। टर्की कश्मीर के मुद्दे पर भारत का विरोध करता रहा है। जबकि चीन की भारत के प्रति दुश्मनी का भाव जगजाहिर है। मालदीव में परंपरा रही है कि नए राष्ट्रपति सबसे पहले भारत की यात्रा करते रहे हैं। मोइज्जू ने भारत विरोध के चलते इसकी शुरुआत नहीं की। भारत के मामले में मालदीव वही गलती कर रहा है जो पाकिस्तान ने की। भारत के खिलाफ चीन के समर्थन के बावजूद पाकिस्तान कंगाली के मुहाने पर खड़ा है।

क्या आप भी हैं पीएम आवास योजना के लाभार्थी लिस्ट में, ऐसे चेक करें अपना नाम

PM Awas Yojana केंद्र सरकार विकास के लिए कई तरह की स्कीम चला रहे हैं। ऐसे में सबके पास पक्के मकान हो इसके लिए सरकार ने पीएम आवास योजना शुरू किया है। सरकार ने लाभार्थी की लिस्ट जारी कर दी। चलिए जानते हैं कि आप पीएम आवास योजना में अपना स्टेटस कैसे चेक कर सकते हैं?

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सभी को आवास देने के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना (Pradhanmantri Awas Yojana) शुरू किया है। इस योजना में लाभार्थी को घर बनाने के लिए सरकार आर्थिक सहायता करती है।

इस योजाना का लाभ केवल उन लाभार्थी को दिया जाता है जिनका नाम बेनिफिसियरी लिस्ट में होता है। सरकार ने लाभार्थी की सूची जारी कर दी है।

आज हम आपको बताएंगे कि आप इस स्कीम में अपना स्टेटस कैसे चेक कर सकते हैं।

किस्तों में दी जाती है राशि

इस योजना में सरकार द्वारा दी गई राशि किस्तों में दी जाती है। नागरिक अपना मकान निर्माण का कार्य जैसे शुरू करता है उसके बाद ही सरकार द्वारा राशि दी जाती है। मकान निर्माण का कार्य जैसे बढ़ता रहता है वैसे ही सरकार द्वारा किस्त दी जाती है। इस तरह कुछ समय के बाद लाभार्थी के पास पक्का मकान तैयार हो जाता है।

ऐसे चेक करें स्टेटस

आपको पीएम आवास योजना के अधिकारिक पोर्टल पर जाना है।

इसके बाद आपको होमपेज पर सर्च बेनिफिशयरी को सेलेक्ट करना है।

अब एक न्यू टैब पर अपना मोबाइल नंबर दर्ज करना है।

इसके बाद आपको ओटीपी भेजें पर क्लिक करना है।

मोबाइल नंबर पर आए ओटीपी को दर्ज करना है।

अब आपको पीएम आवास योजना के लाभार्थी की लिस्ट शो होगी।

इस लिस्ट को आप डाउनलोड कर सकते हैं। यहां आप आसानी से अपना नाम चेक कर सकते हैं।

कैसे करें आवेदन

अगर आप भी इस स्कीम का लाभ उठाना चाहते हैं तो आप ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं। आप पीएम आवास योजाना के आधिकारिक पोर्टल (http://pmayg.nic.in/) के जरिये भी आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा आप जनसेवा केंद्र के माध्यम से भी आवेदन कर सकते हैं।

इस लोगों को मिलता है योजना का लाभ

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग

महिलाएं किसी भी जाति या धर्म की

मध्यम वर्ग 1

मध्यमवर्ग 2

अनुसूचित जाति

अनुसूचित जनजाति

कम आय वाले लोग

डॉक्यूमेंट

आधार कार्ड (Aadhaar Card)

आवेदक का आईडी-प्रूफ

आवेदक का बैंक खाता (Bank Account) बैंक अकाउंट आधार कार्ड से लिंक होना चाहिए

मोबाइल नंबर

पासपोर्ट साइज फोटो

छुट्टी के बावजूद भी आज खुला मार्केट, जानिए क्या है इसके पीछे की वजह

वैसे तो शेयर मार्केट केवल सोमवार से शुक्रवार को बंद रहता है। मगर इस हफ्ते सेंसेक्स के एक ही दिन 1000 अंक से ज्यादा गिरने के कारण बाजार में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली है। इस गिरावट को रिकवर करने के लिए एक्सचेंजो ने शनिवार को भी बाजार खोला है। जहां सेंसेक्स 313 .09 अंक या 0 .44% बढ़कर 71969 .31 पर पहुंचा वहीं निफ्टी 75 .80 अंक या 0 .35% बढ़कर 21698 .20 पर रहा।

नई दिल्ली। शेयर मार्केट वैसे तो सोमवार से शुक्रवार तक खुलता है, लेकिन इस बार शनिवार को भी मार्केट ओपन हुआ है। जबकि शनिवार और रविवार मार्केट की छुट्टी होती है। आपको बताते हैं कि सालों बाद ऐसा मौका क्यों आया है। आइये इसकी वजह जानते हैं।

BSE और NSE ने पहले ही इस बात की जानकारी दे दी थी कि शनिवार को बाजार दो सेशन में खुलेगा। पहला पीआर सेशन सुबह 9.15 बजे से 10 बजे तक खुलेगा। वहीं दूसरा डीआर साइट सुबह 11.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक ओपन होगा।

सोमवार को बंद रहेगा मार्केट

भारतीय स्टॉक शनिवार को दो सेशन में कारोबार करेंगे, वहीं महाराष्ट्र राज्य में सार्वजनिक अवकाश के कारण सोमवार को बंद रहेंगे। इसके अलावा इस हफ्ते मार्केट में बारी गिरावट देखने को मिली, जिस कारण BSE और NSE ने रिकवरी के लिए शनिवार को भी बाजार को ओपन किया है।

वैश्विक संकेतों के आधार पर सेंसेक्स, निफ्टी में तेजी आई, इस बढ़त को देखते हुए भारतीय शेयर शनिवार के विशेष कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ खुले।

खुलते ही चढ़ा शेयर बाजार

जहां सेंसेक्स 313.09 अंक या 0.44% बढ़कर 71,969.31 पर पहुंचा, वहीं निफ्टी 75.80 अंक या 0.35% बढ़कर 21,698.20 पर रहा।

शुरुआती कारोबार में पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक सेंसेक्स पर टॉप पर रहे, जबकि एयरटेल और एचयूएल घाटे में रहे।

शुक्रवार को कैसा रहा बाजार

पिछले कुछ सत्रों में तेज कमजोरी दिखाने के बाद शुक्रवार को बेंचमार्क सूचकांकों में मामूली उछाल देखा गया।

जहां सेंसेक्स 496.37 अंक या 0.70% उछलकर 71,683.23 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी 50 160.15 अंक या 0.75% बढ़कर 21,622.40 पर बंद हुआ।

शादी में मिलने वाले गिफ्ट पर कितना देना होगा टैक्स, यहां समझे सारी कैलकुलेशन

भारत में शादियां काफी धूमधाम से किया जाता है। इसमें परिवार द्वारा एक बड़ी राशि खर्च की जाती है। शादी में दुल्हा-दुल्हन के साथ उनके माता-पिता को भी कई गिफ्ट मिलते हैं। कई शादियों में इन तोहफे की वैल्यू लाखों-करोड़ों होती है। ऐसे में अब सवाल आता है कि शादियों में मिल वाले गिफ्ट पर कितना टैक्स लगता है। चलिए इस आर्टिकल में इस सवाल का जवाब जानते हैं।

नई दिल्ली। देश में शादी की सिजन शुरू हो गया है। भारत में शादी बड़ी धूमधाम से किया जाता है। शादी में दुल्हे- दुल्हन के साथ उसके परिवार को भी गिफ्ट मिलते हैं। इन तोहफे में पैसों के साथ महंगी ज्वेलरी, गाड़ी, प्रोपर्टी और कई कीमती सामान दी जाती है। ऐसे में कई बार सवाल आता है कि इन सामानों पर कितना टैक्स लगता है।

चलिए आज हम आपको बताएंगे कि शादी में मिलने वाले गिफ्ट पर कतिना टैक्स लगता है। आयकर अधिनियम (Income Tax Act) में इसको लेकर क्या नियम है?

कितना लगता है टैक्स?

शादी के दौरान दुल्हे-दुल्हन को जो भी गिफ्ट मिलते हैं वह टैक्स फ्री होता है। इसका मतलब कि गोल्ड, प्रोपर्टी, सामान के साथ बाकी चीजें भी टैक्स फ्री होती है। इस पर कोई टैक्स नहीं देना होता है। हालांकि, आपको बता दें कि अगर दुल्हे-दुल्हन के माता-पिता को जो गिफ्ट मिलता है वो टैक्स फ्री नहीं होता है।

क्या है गिफ्ट की लिमिट?

शादी में दिए गए गिफ्ट की कोई लिमिट नहीं होती है। इसका मतलब है कि कोई भी व्यक्ति कितनी भी वैल्यू का गिफ्ट दे सकता है। ये सभी तोहफा टैक्स फ्री होता है। गिफ्ट देने वाले को इस गिफ्ट की जानकारी इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को देनी होती है। इसके अलावा कई बार ऐसी स्थिति भी होती है जब दुल्हे-दुल्हन को इस गिफ्ट के बारे में जानकारी देनी होती है। इस वजह से एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि इस तरह के गिफ्ट का प्रूफ रखना चाहिए। प्रूफ के तौर पर फोटो भी काम आता है।

क्या शादी के बाद मिलने वाले गिफ्ट पर लगता है टैक्स

अगर किसी दुल्हे-दुल्हन को शादी के बाद गिफ्ट मिलता है तब भी वह टैक्स फ्री होता है। इनकम टैक्स के नियमों के अनुसार अगर शादी के बाद भी महिला को कोई गोल्ड ज्वेलरी गिफ्ट में दी जाती है तो उस पर कोई टैक्स नहीं लगता है।

बिना प्रूफ के कितना रख सकते हैं गोल्ड

भारतीय कानून के अनुसार शादीशुदा महिला बिना किसी डॉक्यूमेंट के 500 ग्राम तक सोना रख सकती है। वहीं, शादी के बिना वह 250 ग्राम सोना रख सकती है। इसी तरह पुरुष केवल 100 ग्राम गोल्ड बिना किसी डॉक्यूमेंट के रख सकते हैं।

क्या होता है फॉर्म 16, कौन करता है जारी; आईटीआर फाइल करने के लिए क्यों होता है ये फॉर्म जरूरी

परिवहन विशेष न्यूज

आईटीआर फाइल करने के लिए फॉर्म 16 (Form 16) एक जरूरी दस्तावेज है। इनकम टैक्स के नियमों के मुताबिक हर कंपनी के कर्मचारी जिनका कि टैक्स काटा जाता है उनके लिए कंपनी को फॉर्म 16 जारी करना अनिवार्य है। कंपनियों को इसके लिए एक तय समय लिमिट का भी ध्यान रखना होता है। हर साल 15 जून तक कंपनियां अपने कर्मचारियों के लिए इस फॉर्म को जारी कर देती हैं।

नई दिल्ली। सैलरी पाने वाले लोगों के लिए फॉर्म 16 (Form 16) एक महत्वपूर्ण दस्तावेज होता है, जिसका उपयोग आईटीआर फाइल करने के लिए किया जाता है। ये टीडीएस सर्टिफिकेट (TDS Certificate)का भी काम करता है।

आईटीआर फाइल करने के लिए फॉर्म 16 (Form 16) एक जरूरी दस्तावेज है। इनकम टैक्स के नियमों के मुताबिक हर कंपनी के कर्मचारी जिनका कि टैक्स काटा जाता है, उनके लिए कंपनी को फॉर्म 16 जारी करना अनिवार्य है।

इतना ही नहीं, कंपनियों को इसके लिए एक तय समय लिमिट का भी ध्यान रखना होता है।

किन कर्मचारियों के लिए जारी होता है Form 16

हर साल 15 जून तक कंपनियां अपने कर्मचारियों के लिए इस फॉर्म को जारी कर देती हैं। यह फॉर्म कंपनी के मौजूदा कर्मचारियों के साथ-साथ बीते वित्त वर्ष में कंपनी के लिए काम कर चुके पुराने कर्मचारियों के लिए जारी होता है।

यहां सवाल यह आता है कि इनकम टैक्स फाइल करने के लिए जरूरी यह फॉर्म क्या है और इसमें किस तरह की जानकारियां होती हैं।

Form 16 क्या होता है

एक वित्त वर्ष के दौरान किसी सैलरीड पर्सन की सैलरी से काटे गए टैक्स और टैक्स छूट की जानकारी वाला फॉर्म Form 16 है।

इस फॉर्म के दो हिस्से होते हैं- पार्ट A और पार्ट B। इस फॉर्म के दोनों हिस्सों को TRACES पोर्टल से डाउनलोड कर सकते हैं।

फॉर्म के पार्ट A में किसी वित्त वर्ष के लिए काटे गए टीडीएस की जानकारी होती है। इस पार्ट में कंपनी में काम करने वाले कर्मचारी का पैन और कंपनी का टैन नंबर होता है।

फॉर्म के पार्ट B में कर्मचारी की सैलरी, अलाउंस, एचआरए और स्पेशल अलाउंस से जुड़ी जानकारी होती है। इस पार्ट में कर्मचारी को कंपनी की ओर से मिलने वाली दूसरी सुविधाएं भी शामिल होती हैं।

शनिवार को इन शहरों में कम हुए पेट्रोल डीजल के दाम, यहां चेक करें अपने शहर में कीमत

रोज की तरह आज सुबह 6 बजे पेट्रोल-डीजल की कीमतों को रिवाइज कर दिया गया है। महानगरों के साथ साथ देश के सभी छोटे बजे शहरों के आज के नए दाम सामने आ गए है। बता दें कि शनिवार को कुछ शहरों में इसकी कीमत में कमी आई है। आइये जानें आपके शहर में एक लीटर पेट्रोल-डीजल की कीमत कितनी है

नई दिल्ली। शनिवार को भारत के कुछ शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी आई है। बता दें कि मई 2022 से राष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। मगर उम्मीद है कि जल्द ही इनकी कीमतों में गिरावट देखी जा सकती है

बता दें कि पेट्रोल-डीजल की कीमत पर सीधा असर क्रूड ऑयल की कीमतों के कारण पड़ता है। इसके अलावा देश की सरकारी तेल कंपनियों यानी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड इनकी कीमतों पर टैक्स, वैट, कमीशन आदि लगाते हैं।

रोज सुबह 6 बजे इसकी कीमतों को अपडेट किया जाता है आइये जानते हैं, आपके शहर में एक लीटर पेट्रोल-डीजल की कीमत क्या है।

मेट्रो शहरों में ये रही कीमत

गुड रिटर्न वेबसाइट ने फ्यूल की कीमतों का खुलासा किया है। आइये इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

बेंगलुरु में पेट्रोल 101.94 रुपये और डीजल 87.89 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

नोएडा और अन्य शहरों में कीमतें

नोएडा में पेट्रोल 96.77 रुपये और डीजल 89.94 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

गुरुग्राम में पेट्रोल 97.10 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

जयपुर में पेट्रोल 108.48 रुपये और डीजल 93.72 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

हैदराबाद में पेट्रोल 109.66 रुपये और डीजल 97.82 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

चडीगढ़ में पेट्रोल 96.20 रुपये और डीजल 84.26 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

कैसे पता करें कीमत

आप इंडियन ऑयल ऐप के जरिये लेटेस्ट रेट चेक कर सकते हैं। इसके अलावा RSP कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर मैसेज करके भी ताजा कीमत जान सकते हैं।

बिना इंटरनेट के भी चेक कर सकते हैं पीएफ बैलेंस

EPFO PF Balance ईपीएफओ पीएफ बैलेंस चेक करने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों की सुविधा देता है। अगर आप भी चेक करना चाहते हैं कि आपके पीएफ फंड में कितनी राशि है तो आप आसानी से बिना इंटरनेट के चेक कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिये जानते हैं कि आप किन तरीकों से पीएफ बैलेंस चेक कर सकते हैं।

नई दिल्ली। पीएफ फंड (PF Fund) में कर्मजारी के साथ कंपनी भी हर महीने निश्चित राशि का निवेश करते हैं। इस वजह से एक्सपर्ट भी सलाह देते हैं कि हमें समय-समय पर पीएफ अकाउंट का स्टेटमेंट चेक करना चाहिए।

दरअसल, समय-समय पर पीएफ अकाउंट बैलेंस चेक करने से यह पता चल जाता है कि कंपनी भी फंड में निवेश कर रही है। इसी के साथ अभी तक कितना निवेश हुआ है। अब पीएफ अकाउंट बैलेंस (PF Account Balance) चेक करने का प्रोसेस आसान हो गया है। आप बिना इंटरनेट के भी अकाउंट बैलेंस चेक कर सकते हैं। इसके लिए आपको केवल एसएमएस (SMS) करना होगा।

इसके अलावा आप कॉल से भी बैलेंस पता कर सकते हैं।

मैसेज के जरिये चेक करें बैलेंस

आपको अगर मैसेज के जरिये बैलेंस चेक करना है तो इसके लिए आप EPFOHO लिखकर अपना UAN No. लिखकर 7738299899 पर मैसेज कर सकते हैं। इसके तुरंत आपको आपका पीएफ बैलेंस पता चल जाएगा।

कॉल के जरिये चेक करें बैलेंस

मैसेज के अलावा आप एक मिस कॉल के जरिये भी बैलेंस चेक कर सकते हैं। इसके लिए आपको पीएफ अकाउंट में रिजस्टर्ड मोबाइल नंबर से 9966044425 पर मिस कॉल देना होगा। मिस कॉल के बाद आपके फोन पर मैसेज आएगा। इस मैसेज में आपको पीएफ बैलेंस सेंड किया गया होगा।

उमंग ऐप से कैसे चेक करें बैलेंस

आपको अपने फोन में उमंग ऐप (Umang App) को इंस्टॉल करना होगा।

इसके बाद आपको ऐप में लॉग-इन करना होगा।

अब आप ऐप में सर्च पर जाकर View Passbook सर्च करें।

इसके बाद आप अपना यूएएन नंबर दर्ज करें।

अब आपके रजिस्टर्ड फोन में ओटीपी आएगा उसे भरें।

इसके बाद आपको मेंबर आईडी को सेलेक्ट करना है और ई-पासबुक (E-Passbook) को डाउनलोड करना है।

ईपीएफओ की वेबसाइट से कैसे चेक करें बैलेंस

आपको ईपीएफओ के अधिकारिक पोर्टल पर जाना है।

इसके बाद आपको सर्विस पर क्लिक करना और ड्रॉपडाउन मेनू से, ₹For employees₹ को सेलेक्ट करना है।

अब आप सर्विस टैब में "Member Passbook" को सेलेक्ट करें।

इसके बाद आपको लॉग-इन के लिए यूएएन नंबर और पासवर्ड दर्ज करना है। अब आप आसानी से ईपीएफ पासबुक देख सकते हैं। इसके अलावा आप अपना वर्तमान बैलेंस भी चेक कर सकते हैं।

राष्ट्रधर्म का विशेष अंक नई पीढ़ी को बताएगा राम मंदिर आंदोलन की पूरी कहानी

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

- राम मंदिर जैसा आन्दोलन कहीं नहीं हुआ : कृष्णगोपाल
- आरएसएस के सह सरकार्यवाह ने राष्ट्रधर्म पत्रिका के श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा अंक का किया लोकार्पण

अयोध्या। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णोपाल ने शुक्रवार को यहां कहा कि राष्ट्रधर्म पत्रिका का विशेष अंक हिन्दू समाज की नई पीढ़ी को भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र और राम मंदिर आंदोलन के पूरे इतिहास को अच्छे ढंग से समझाएगा। उन्होंने कहा कि राम मंदिर जैसा आंदोलन पूरी दुनिया में कहीं नहीं हुआ।

डॉ. कृष्णोपाल आज राम नगरी स्थित तुलसी उद्यान में राष्ट्रधर्म पत्रिका के 'श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा' विशेष अंक का लोकार्पण कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस समय मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान को लेकर अयोध्या में विशेष वातावरण है। विश्व में जहां भी हिन्दू समाज है, अपने को गौरवान्वित अनुभव कर रहा है।

उन्होंने कहा कि इस गौरवशाली क्षण की प्रतीक्षा में शताब्दियां बीत गईं। कई पीढ़ियां गुजर गईं। लाखों लोग बलिदान हो गए। डॉ. कृष्णोपाल ने कहा कि बाहर से आए आक्रांताओं ने देश के हजारों मंदिरों को तोड़ डाला, तलवार के बल पर करोड़ों लोगों का मतान्तरण किया। ऐसी विषम परिस्थिति में हमारे देश के संतों राम कथा के माध्यम से 1000 वर्ष तक हिन्दू समाज को सुरक्षित रखा। उन्होंने कहा कि देश को आजादी मिलने के बाद हिन्दू समाज को आशा थी कि जो हमारे मंदिर तोड़े गये हैं, वे हमें प्राप्त हो जायेंगे लेकिन जब ऐसा नहीं हुआ तब आन्दोलन करना पड़ा। राम मंदिर के लिए नौजवानों ने कारसेवा की। एक सुन्दर इतिहास खड़ा हो गया।

डॉ. कृष्णोपाल ने कहा कि आज सारे विश्व में राम की यशकीर्ति फैली है। उन्होंने कहा कि आज कुछ लोग राम का प्रमाण मांगते हैं। राम का नाम आज करोड़ों लोग अपने मन में स्थिर कर रखे हैं इससे बड़ा प्रमाण क्या हो सकता है। राम के नाम पर नगरों, गांवों और लोगों के नाम हैं। राम भारत के लोक जीवन में बस गये हैं। राम इस देश की अंतरात्मा बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आन्दोलन समाज को एक दृष्टि देता है।

राष्ट्रधर्म पत्रिका के बारे उन्होंने कहा कि यह मात्र समाचार के लिए नहीं बल्कि विचार पत्रिका है। अपने प्रकाशन के 75 वर्षों में इस पत्रिका ने समय-समय पर विशेषांक निकाल कर गंभीर विषयों को सरलता के साथ समाज के सम्मुख प्रस्तुत किया है। सह सरकार्यवाह ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर राष्ट्रधर्म ने 'श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा' पर विशेष अंक निकालकर समयानुकूल कार्य किया है। इसके लिए उन्होंने राष्ट्रधर्म पत्रिका परिवार को धन्यवाद भी दिया। साथ ही उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि पत्रिका के इस विशेष अंक को अधिक से अधिक लोग पढ़ें एवं उस पर चर्चा-परिचर्चा करें।

पूर्व में राष्ट्रधर्म के संपादक डॉ. ओम प्रकाश पाण्डेय ने बताया कि यह विशेषांक पूर्णरूप से राम मंदिर आन्दोलन पर समर्पित है। इस आन्दोलन का नेतृत्व करने वाले संतों, वरिष्ठ प्रचारकों व आन्दोलन से जुड़ी महत्वपूर्ण घटनाओं का उल्लेख किया गया है। कार्यक्रम का संचालन पत्रिका के प्रबंधक डॉ. पवन पुत्र बादल ने किया।

इस अवसर पर राष्ट्रधर्म के प्रभारी निदेशक सर्वेश चन्द्र द्विवेदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह क्षेत्र प्रचार प्रमुख मनोजकांत, इतिहास संकलन समिति के सह संगठन मंत्री संजय श्री हर्ष, पांचजन्य के पूर्व संपादक तरूण विजय, विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विजय शंकर तिवारी, संघ के सह क्षेत्र संपर्क प्रमुख मनोज, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला और भाजपा उत्तर प्रदेश के मीडिया प्रभारी मनीश दीक्षित के अलावा कई संत-महात्मा उपस्थित रहे।

जारी कर्ता ---
श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र प्राण प्रतिष्ठा समारोह संवाद केन्द्र अयोध्या

पुरी में 5टी के अध्यक्ष कार्तिक पांडियन ने लोकार्पित परिक्रमा के मार्ग पर प्रदर्शन किया

मनोरंजन सासमल , ओड़िशा

भुबनेस्वर : पुरी में 5टी और नवीन ओडिशा के अध्यक्ष कार्तिक पांडियन। आज उन्होंने पुरी जाकर परिक्रमा परियोजना के मार्ग पर पहला प्रदर्शन किया. राज्य सरकार के एक प्रमुख उपक्रम के रूप में मंदिर के चारों ओर श्रद्धालुओं और भक्तों के लिए परिक्रमा परियोजना के तहत विभिन्न व्यवस्थाएं की गई हैं।जबकि सर्किट मार्ग तैयार किया गया था, पांडियन स्वयं इस मार्ग पर चले और मंदिर के दर्शन किये। फाइव-टी चेयरमैन ने नौ बार मंदिर की परिक्रमा की। प्रदर्शन के बाद, वह अपने परिवार के साथ मंदिर के अंदर गए और भगवान के दर्शन किए।

ग्राम पिपलाज में श्री आई माता जी मन्दिर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन

धर्म गुरु दीवान माधवसिंह जी के आगमन पर स्वागत में निकली शोभायात्रा

माध्यप्रदेश जगदीश सीरवी

पिपलाज मनावर मध्यप्रदेश ग्राम पिपलाज में 18 जनवरी गुरुवार को प्रातः बेला में श्री आई माता जी मन्दिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के साथ अखण्ड ज्योति व गादी पाट की स्थापना धर्म गुरु दीवान साहब के सानिध्य में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए दीवान साहब ने कहा कि समयानुसार परिस्थितियों को मद्देनजर रखते हुए कई समाजजन दक्षिण भारत चले गये वहां उन्होंने 8-10 वर्षो तक नौकरी कर अपने परिवार को समृद्धशाली बनाया। उस जमाने में कोई टेलीफोन नहीं था। घर परिवार, माता-पिता से बात नहीं होती थी। व्यापारियों के यहां मुनिम बनकर इमानदारी से मन लगाकर काम करने लगे। आज सिर्वी समाज वहां पर समृद्धसाली व उन्नतशील समाज बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि सिर्वी समाज जहां-जहां बसा वहां ईमानदारी, मेहनत और परिश्रम से काम करने लगा। आज समाज दिनों दिन उन्नति व प्रगति के पथ पर निरंतर बढ़ रहा है। हमें खेती किसानी के साथ हमारे बच्चों को व्यापार, व्यवसाय में लगाना चाहिए। हम हमारे बच्चों को व्यापार व्यवसाय करने से पहले कम से कम चार-पांच वर्षो तक उन्हें साहूकारों के यहां नौकरी करना चाहिए तब जाकर वह सही दिशा व सही मार्ग पर चलेगा। ईमानदारी, मेहनत और सहनशीलता हमारे समाज का सबसे बड़ा गुण है। सदैव जीवन में आई माता जी के 11 नियमों का पालन करें। सिर्वी समाज जहां भी बसा वहां सबसे पहले श्री आई माताजी की गादी पाट की स्थापना की है। आई पंथ कोई अंधविश्वासी नहीं है माताजी के कई चमत्कार इसके प्रमाण है। धर्मगुरु दीवान साहब ने इस अवसर पर ग्राम वासियों को शुभकामनाएं हैं देते हुए कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद इस गांव में एक नया चमत्कार होने वाला है।आप धर्म कर्म के साथ ही उन्नति के पथ पर बढ़ते रहेंगे। इस अवसर पर अखिल भारतीय सिर्वी महासभा के प्रांतीय अध्यक्ष सीए भगवानजी लछेटा ने भी सभा को संबोधित करते हुए सभी को शुभकामनाएं दी। पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश जी मुकाती वीआईपी, निमाड़ जिला परगना अध्यक्ष राधेश्याम जी मुकाती, बड़वानी जिलाध्यक्ष दिनेश जी चौधरी, बाबा मंडली के महेन्द्र जी कोटवाल, मनावर तहसील अध्यक्ष संदीप जी सेप्टा मंचासीन थे। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री आई माता जी के चित्र पर पुष्प माला एवं दीप प्रज्वलित एवं आरती कर किया गया। कार्यक्रम की पावन बेला में सिर्वी समाज के धर्मगुरु दीवान श्री माधवसिंह जी का जन्मोत्सव दीप प्रज्वलित कर मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन कुंदन चोयल ने किया। इस अवसर पर आसपास ग्रामीण क्षेत्र से बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित थे।

धर्म गुरु दीवान साहब के स्वागत में निकली शोभायात्रा

धर्म गुरु दीवान साहब के आगमन पर काग परिवार ने बधावा किया और दीवान साहब के स्वागत में निकली शोभायात्रा में ग्राम की बालिकाओं, महिलाओं व युवा वर्ग ने बेन्ड व ढोल की थाप पर जमकर नृत्य किया। शोभायात्रा में बड़दा के चेनाजी द्वारा किया गया धुडसवार नृत्य आकर्षण का केन्द्र रहा।

शोभायात्रा में प्रान्तीय शीर्ष नेतृत्व सहित विशिष्ट समाजजन हुए शामिल

शोभायात्रा में सिर्वी संदेश चेरिटेबल संस्था राजस्थान के अध्यक्ष एडवोकेट कानाराम जी चोयल, अखिल भारतीय सिर्वी महासभा के पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष मनोहरलाल जी मुकाती, प्रान्तीय अध्यक्ष सीए भगवान जी लछेटा, महासचिव कान्तिलाल जी गेहलोत, उपाध्यक्ष कालुराम जी लछेटा, प्रान्तीय व्यापार सचिव शेखर जी भायल, परिचय व सामुहिक विवाह सचिव हरिराम जी राठौर, भवन निर्माण सचिव जगदीश जी जमादारी, जिलाध्यक्ष राधेश्याम जी मुकाती, हरिदास जी स्मारक महेश्वर ट्रस्ट उपाध्यक्ष लक्ष्मण जी परिहार, राजेश जी राठौर, ओम्कारेश्वर ट्रस्ट उपाध्यक्ष भानालाल जी सोलंकी, पूर्व तहसील अध्यक्ष जगदीश जी चोयल, तहसील अध्यक्ष संदीप जी सेप्टा, युवा प्रदेश प्रतिनिधि इंजिनियर अशोक जी राठौर युवा संगठन जिलाध्यक्ष नरेन्द्र जी देवड़ा, तहसील अध्यक्ष हरीश जी लछेटा सहित महासभा के पदाधिकारियों एवं विभिन्न क्षेत्र के वरिष्ठ पंचों एवं समाजजनों ने भाग लिया। महोत्सव में पिपलाज सिर्वी समाज सकल पंच, महिला मण्डल, युवा वर्ग का सराहनीय योगदान रहा।

मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

में आयोजित कवि सम्मेलन मे कवियों ने बांधा समां।

ग्राम पिपलाज में श्री आई माता बडेर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में बुधवार रात्रि में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें कवियों ने अपनी कविताओं से देर रात तक श्रोताओं को बांधे रखा। कवि सम्मेलन की शुरुआत में कवियित्री मधुलता सराफ ने सरस्वती वंदना कर काव्य पाठ की शुरुआत की। हास्य कवि डॉ अपूर्व शुक्ला उमरबन ने अपनी हास्य चुटकियों से श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। गीतकार विजय शर्मा खलघाट ने नदी की तुलना मानव जीवन से करते हुए निमाड़ी गीत ₹जिनगी नदी धारा छे₹ सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। ओज कवि सिर्वी पंकज प्रखर सिंघाना ने श्रीराम पर काव्य पाठ करते हुए कहा कि ₹ताजमहल को प्रेम की निशानी बताने वालों, अयोध्या, भारत की राजधानी बनेगी। हास्य कवि नंदकिशोर कर्मा धामनोद ने हास्य कविताओं से ठंड की स्थिति का जिक्र किया। प्रमोद त्रिवेदी पुष्प राजपुर ने व्यंग्य रचनाओं से माहौल में हास्य पैदा किया। ओमप्रकाश कुशवाह धामनोद ने श्री आई माताजी का गुणगान रचना के माध्यम से किया। कार्यक्रम में साहित्यकार व्यंग्य कवि विश्वदीप मिश्रा को विशेष रूप से सम्मानित क्रिया गया। संचालक राम शर्मा परिंदा ने दीवान साहब के जन्मदिन गीत पेश करते हुए कहा कि जन्मदिन सदा कल्याणी हो, जैसे सांझ ढले वैसे याणी हो। श्री परिंदा ने अपने हास्य रस के संचालन से पूरे समय श्रोताओं को बैठाए रखा। कार्यक्रम में गायक संदीप जाजमें सहित बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित थे। अंत में पूज्य दीवान साहब ने स्मृति चिन्ह भेंट कर कवियों को सम्मानित किया।

सानिया मिर्जा को छोड शोएब ने की तीसरी शादी

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नई दिल्ली। पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शोएब मलिक ने तीसरी शादी रचा ली है। काफी दिनों से सानिया मिर्जा से शोएब मलिक के अलग होने की खबरें सामने आ रही थी।

शौएब मलिक ने पाकिस्तानी अभिनेत्री सना जावेद को अपनी पत्नी चुना है। मलिक ने इस्टाग्राम पर खुद अपनी शादी की फोटो पोस्ट की है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक शौएब ने जिस सना जावेद से शादी की है वो भी तलाकशुदा है।सना जावेद ने 2020 में उमैर जसवाल के साथ शादी की थी।दो-तीन साल के अंदर ही शादी से तौबा करने वाली सना जावेद ने शोएब मलिक से दूसरा निकाह कर लिया। इससे पहले शोएब मलिक ने आयशा से तलाक लिया था। उधर सानिया मिर्जा ने भी अपने इस्माग्राम से शोएब मलिक के साथ अपनी तमाम फोटोग्राफ को डिलीट कर दिया था। 8 जनवरी को सानिया ने एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा 'जब कोई चीज आपके दिल की शांति को भंग करती है, तो उसे जाने दें।

अयोध्या से आए पूजित अक्षत का आईमाताजी मन्दिर कोथरुड में किया भव्य स्वागत

एक शाम संत श्री गुला महाराज के नाम विशाल भजन कीर्तन

महाराष्ट्र पुणे जगदीश सीरवी

पुणे। सीरवी क्षत्रिय समाज आईमाताजी मन्दिर कोथरुड पुणे में अक्षत कलश पूजन व संत श्री 1008 गुला महाराज दिवस के उपलक्ष में भव्य सत्संग व प्रसादी का आयोजन किया गया। अयोध्या से आए हुए अक्षत कलश का भव्य पूजन के निमित श्री रामजी के तस्वीर स्थापना समाज के हजारों लोगो की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस दिन शाम को अपने सिर पर कलश धारण कर अक्षित कलश के स्वागत निमित भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के दौरान जगह जगह कलश का स्वागत और पूजा-अर्चना की गई। संस्था से डगराराम गेहलोत सभी को आव्हान किया की ये अवसर इतनी आशानी से नही आया इसके लिए 500 सालों का संघर्ष हिन्दू समाज राम भक्तों को करना पडा, ना जाने कितनो ने बलिदान दिए। तब जाकर आज ये अयोध्या में भव्य मन्दिर बनकर तैयार हो रहा है। अक्षित कलश के अक्षित को घर घर निमंत्रण विश्व हिन्दू परिषद् कार्यकर्ता एवं राम जन्मभुमि तीर्थ क्षेत्र न्यास अयोध्या प्रभु श्री रामजी के सेवकों द्वारा दिया जा रहा है। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष लक्ष्मण रामजी परिहार, कोषाध्यक्ष

भंवरलाल परिहार, सह-सचिव

मुलाराम सोलंकी, पूर्व अध्यक्ष पुनाराम राठौड़, भंवरलाल बर्फा, मांगीलाल भायल, पूर्व सचिव नेनाराम सोलंकी, डायाराम भायल एवं बाल संस्कार समिति के मुख्या डगराराम गेहलोत, संस्था के युवा मंडल के अध्यक्ष नरेश सोलंकी, कोषाध्यक्ष सी.ए. भुपेंद्र सोलंकी, सचिव सी.ए. राजेंद्र बर्फा, उपाध्यक्ष कैलाश भायल एवं संचालक मंडल, युवा मंडल, महिला मंडल, गेर मंडल के अध्यक्ष सोहनलाल सोलंकी, महिला मंडल अध्यक्ष श्री मति विद्या बाई सोलंकी, सचिव श्री मति दलीबाई राठौड़, कोषाध्यक्ष श्रीमति दरियाबाई भायल सहित समाज की सभी महिलाओं ने

बढ़चढ़कर भाग लिया। इस मौके पर अखिल भारतीय सीरवी समाज महाराष्ट्र प्रान्त के बाल शिक्षा समिति के सचिव श्रीमति लीला चोयल भी उपस्थित रही। शाम को एक शाम संत गुला महाराज के नाम भजन संध्या का आयोजन हुआ। जिसमें श्री आईजी भजन मंडली के भजन गायक नेनाराम सोलंकी, लक्ष्मणराम काग, व सभी भजन प्रेमियों ने मधुर भजनों की प्रस्तति देकर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस कार्यक्रम में बड़ी सख्या में श्रद्धालुओ ने महाप्रसादी का लाभ लिया। संस्था के अध्यक्ष लक्ष्मणराम परिहार ने सभी को मंकर संक्रान्ति की शुभकामनाएं देते हुए आभार प्रकट किया।

कॉपीराइट प्रवासी संदेश

मैं तो राम मंदिर जाऊंगा,जिसे नहीं जाना वो न जाए,जो करना है कर ले: क्रिकेटर हरभजन सिंह

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में अब महज दो दिन बाकी रह गए है। इसके लिए जोर-शोर से तैयारियां चल रही है।साधु संतो के साथ ही देशभर की कई बडी हस्तियां इस आयोजन में शामिल हो रही है। हालांकि कांग्रेस ने इसे भाजपा का राजनीतिक इवेंट बताकर यहां जाने से मना कर दिया है। वहीं भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने अपनी पार्टी को दो टूक जवाब देते हुए साफ लफजों में कह दिया कि जिसे नहीं जाना न जाए, मैं तो जाऊंगा।जिसे जो करना है कर ले।

हरभजन सिंह ने कहा कि कोई पार्टी जाए या ना जाए, लेकिन मेरा अपना एक स्टैंड है। मैं भगवान को मानता हूं। किसी को मेरे जाने से दिक्कत है तो उनको जो करना है करें। मेरे जीवन में जो कुछ भी हुआ है, आज मैं जो कुछ भी हूं तो वह उसी की कृपा है।मैं तो जरूर आशीर्वाद लेने जाऊंगा।

उल्लेखनीय है कि हरभजन सिंह आम आदमी पार्टी की ओर से राज्यसभा सांसद है।पार्टी गठबंधन का हिस्सा है। इस बाबत अलग स्टेंड है।

जब्त वाहन को नष्ट होने से पहले वापस करने की कार्रवाई की जाये:- उच्च न्यायालय

मनोरंजन सासमल , ओड़िशा

भुबनेस्वर : ओड़िशा हाईकोर्ट ने परिवहन आयुक्त को थाने, वन कार्यालय और एक्साइज कार्यालय में पड़े जब्त वाहनों को उठाने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि गलियों को तोड़ने से पहले उन्हें वापस करने का निर्णय लिया जाए। हाई कोर्ट ने ट्रांसपोर्ट कमिश्नर को इसके लिए कानून लाने को कहा। कोर्ट ने इस बात पर अफसोस जताया कि सरकारी दफ्तरों में जब्त वाहन धूल खा रहे हैं और वाहनों को नष्ट किया जा रहा है।

छोटे से गांव से निकल के आशीष भाटी ने उज्जैन में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में एमआर. एमपी के अवॉर्ड से सम्मानित

अशोक गुर्जर। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले की नागदा तहसील अंतर्गत गांव बेरछा से आशीष भाटी जो बॉडीबिल्डर आशु के नाम से अपनी एक नई पहचान बनाई है अपनी मेहनत से यह कर दिखाया जो लोग सोच भी नहीं सकते कि गांव के लोग क्या करेंगे इस बात को सच करके एक छोटे से गांव से निकाल के उज्जैन में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सर्वप्रथम मिस्टर एमपी का अवार्ड जीतकर अपने गांव का और अपने माता-पिता का नाम रोशन व गौरववित किया

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023